दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....
लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।
सम्पादक : राजेश शर्मा
सिद्धार्थनगर
सोमवार, 29 सितंबर 2025
वर्ष: 04 अंक : 289 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/-रुपया
दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

त्योहारों के दौरान इन 5 लिपस्टिक शेड ...8

पीएम मोदी ने ग्रेटर नोएडा में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का किया शुभारंभ

कहा: डिफेंस के हर पुरजे पर 'मेड इन इंडिया' का होगा निशान

नोएडा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो मार्ट में उत्तर प्रदेश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार शो (यूपी) का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बोलते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वैश्विक उथल-पुथल और अनिश्चितताओं के बावजूद भारत का विकास आकर्षक बना हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार मेक इन इंडिया पहल के लिए कड़ी मेहनत कर रही है और चिप से लेकर शिपिंग तक, देश में ही निर्माण की योजना बना रही है। इस बात पर जोर देते हुए कि 2,250 से ज्यादा प्रदर्शक अपने उत्पादों और सेवाओं का प्रदर्शन कर रहे हैं, प्रधानमंत्री ने कहा कि रूस इस व्यापार शो का कंट्री पार्टनर है, जो समय की कसौटी पर खरी उतरी इस साझेदारी को और मजबूत करता है। वैश्विक व्यवधानों और अनिश्चितताओं के बावजूद, भारत की वृद्धि आकर्षक है। व्यवधान हमें बाधित नहीं करते, बल्कि उन परिस्थितियों में भी, हम नई दिशाएँ तलाशते हैं। इन सभी व्यवधानों के बीच, भारत आने वाले दशकों के लिए अपनी नींव मजबूत कर रहा है। हमारा संकल्प और मंत्र है आत्मनिर्भर भारत। दूसरों पर निर्भर रहने से ज्यादा लाचारी और कुछ नहीं हो सकती। कोई देश जितना ज्यादा दूसरों पर निर्भर रहेगा, उसकी वृद्धि उतनी ही प्रभावित होगी। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार शो 2025 में 2,500 से अधिक प्रदर्शक, 500 विदेशी खरीदार और पांच लाख से अधिक आगंतुक भाग लेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सेमीकंडक्टर क्षेत्र में देश की आत्मनिर्भरता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जहां भारत में निर्मित सभी मोबाइल फोन का 55 प्रतिशत हिस्सा बनता है। उन्होंने यह भी कहा कि हमारे सशस्त्र बलों का लक्ष्य अन्य देशों पर अपनी निर्भरता कम करना है। उन्होंने कहा कि हमारे रक्षा बल स्वदेशी चाहते हैं, वे अन्य देशों पर अपनी निर्भरता कम करना चाहते हैं। हम भारत में एक जीवंत रक्षा क्षेत्र विकसित कर रहे हैं। हम एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र बना रहे हैं जहाँ हमारे हथियारों के हर हिस्से पर मेड इन इंडिया लिखा हो। उत्तर प्रदेश इसमें बड़ी भूमिका निभा रहा है। जल्द ही रूस की मदद से स्थापित एक कारखाने में एके-203 राइफल का उत्पादन शुरू होगा। उत्तर प्रदेश में एक रक्षा गलियारा भी स्थापित किया जा रहा है। ब्रह्मोस मिसाइलों सहित कई हथियारों का उत्पादन शुरू हो चुका है।

लेह हिंसा के बाद एक्शन मोड में केंद्र सरकार

सोनम वांगचुक की संस्था का विदेशी फंडिंग वाला लाइसेंस कैंसिल, सीबीआई की टीम भी जांच में जुटी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने गुरुवार को सोनम वांगचुक के गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) स्टूडेंट्स एजुकेशनल एंड कल्चरल मूवमेंट ऑफ लद्दाख का एफसीआरए लाइसेंस तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया। यह फैसला लद्दाख में हुई हिंसा के बाद लिया गया है जिसमें चार लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। गृह मंत्रालय (एमएचए) ने अपने आदेश में कहा कि लद्दाख के कार्यकर्ता के गैर-लाभकारी संगठन ने विदेशी चंदा नियमों का बार-बार उल्लंघन किया है। गृह मंत्रालय ने कहा कि वांगचुक के व्यक्तिगत और संयुक्त खातों में धन प्राप्त हुआ, जो एफसीआरए 2010 का सीधा उल्लंघन है। इसमें आगे कहा गया है कि उनके एनजीओ को 2021 और 2024 के बीच विदेशों से करोड़ों रुपये मिले, जिससे संभावित मनी लॉन्ड्रिंग की चिंता बढ़ गई, क्योंकि ये बाहरी विदेशी धन अज्ञात संस्थाओं को भेजे गए थे। गृह मंत्रालय ने अपने आदेश में कहा कि सोनम वांगचुक खुद को जनता के प्रतिनिधि के रूप में पेश कर रहे हैं, लेकिन वित्तीय कदाचार का उनका रिकॉर्ड कुछ और ही बताता है। उनके कार्यों से रचनात्मक संवाद पटरी से उतरने और वास्तविक चिंताओं को निजी और राजनीतिक लाभ के औजार में बदलने का खतरा है। अपने आदेश में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि 59 वर्षीय वांगचुक के नौ निजी बैंक खाते हैं, लेकिन उनमें से आठ की घोषणा नहीं की गई है। मंत्रालय ने कहा कि इन आठ खातों में से कई में भारी मात्रा में विदेशी धन जमा है। साथ ही, वांगचुक ने 2021 से 2024 के बीच अपने निजी खाते से लगभग 23 करोड़ रुपये विदेश भेजे।

आई लव मुहम्मद ट्रेंड पर भड़के मुख्तार अब्बास, कहा- आस्था के नाम पर अराजकता ठीक नहीं

आई लव मुहम्मद' नारे पर भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि मुझे लगता है कि कुछ लोग आस्था और पहचान का इस्तेमाल अराजकता के लिए बंधक के रूप में कर रहे हैं। पहचान और आस्था का इस्तेमाल अराजकता के उपकरण के रूप में करना अस्वीकार्य है। नकवी ने स्पष्ट किया कि मुसलमान होने के नाते मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम उनकी आस्था का हिस्सा हैं और किसी भी तरह से आस्था या अस्मिता को बंधक बनाना गलत है। उन्होंने कहा कि आस्था और अस्मिता को अराजकता या पाखंड के माध्यम से प्रभावित नहीं किया जा सकता।

भाजपा चाहे जितना ध्यान भटकाने की साजिश करे, हम वंचितों को अधिकार दिलाने को संकल्पित: राहुल

पटना। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बिहार में अतिपिछड़ा न्याय संकल्प पत्र जारी करने के एक दिन बाद बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) चाहे जितना ध्यान भटकाने की साजिश कर ले, महागठबंधन अतिपिछड़े, दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक और पिछड़े वर्गों को उनका पूरा हक दिलाने के लिए संकल्पित हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह अति पिछड़ों की बराबरी और सम्मान की लड़ाई है तथा यही सच्चा सामाजिक न्याय है। राहुल गांधी और महागठबंधन के अन्य प्रमुख नेताओं ने बुधवार को पटना में अतिपिछड़ा न्याय संकल्प पत्र जारी किया था। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने एक्स पर पोस्ट किया, भाजपा चाहे जितने भी झूठ और ध्यान भटकाने की साजिश करे, हम अतिपिछड़े, दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक और पिछड़े समाज को उनका पूरा हक दिलाने के लिए संकल्पित हैं।

उन्होंने कहा कि बिहार में अतिपिछड़ा समाज को मजबूत बनाने और उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए अतिपिछड़ा न्याय संकल्प पत्र में ठोस वादे किए गए हैं। राहुल गांधी ने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा इन समुदायों की प्रगति का सबसे बड़ा साधन है, इसलिए इस क्षेत्र में उनकी पहुंच बढ़ाने के लिए विशेष संकल्प लगाए गए हैं। उन्होंने कहा, 'अब निजी कॉलेज और विश्वविद्यालयों में भी आरक्षण लागू होगा, निजी स्कूलों की आरक्षित आधी सीटें एससी, एसटी, ओबीसी/ईबीसी बच्चों को मिलेंगी और नियुक्तियों में 'उपयुक्त नहीं मिला' जैसी अन्यायपूर्ण व्यवस्था खत्म होगी।' राहुल गांधी ने कहा कि यह सिर्फ शिक्षा नहीं, बल्कि अति पिछड़ों की बराबरी और सम्मान की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि यही सच्चा सामाजिक न्याय और समान विकास की गारंटी है।

मैं 5 साल...बीजेपी अध्यक्ष पद की उम्मीदवारी पर देवेंद्र फडणवीस ने कर दिया बड़ा खुलासा

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी के नए अध्यक्ष का फैसला अभी तक नहीं हो पाया है। जेपी नड्डा की जगह कौन भगवा पार्टी की कमान संभालेगा इसको लेकर तमाम तरह की अटकलें समय समय पर चलती रहती हैं। इसमें महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नाम की चर्चा भी होती रहती है। लेकिन अब एक निजी मीडिया के कार्यक्रम में खुद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने इस पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। मोहन भागवत के बीजेपी अध्यक्ष के चुनाव में देरी से लेकर भावी अध्यक्ष के रूप में उनकी दावेदारी तक के मुद्दों पर फडणवीस ने अपनी राय रखी है। देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि वे पांच साल तक मुख्यमंत्री रहेंगे और महाराष्ट्र छोड़कर कहीं नहीं जा रहे। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के इस बयान पर कि अगर भाजपा अध्यक्ष का चुनाव संघ कर रहा होता, तो इसमें ज्यादा समय नहीं लगता, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि इस टिप्पणी से यह भी पता चलता है कि ये फैसले भाजपा द्वारा लिए जाते हैं। फडणवीस ने मुंबई में इंडिया टुडे कॉन्क्लेव में कहा भाजपा की अध्यक्ष चुनने की अपनी प्रक्रिया है। आरएसएस प्रमुख के जवाब से संकेत मिलता है कि ये फैसले हम नहीं लेते, बल्कि पार्टी द्वारा लिए जाते हैं। फडणवीस ने कहा कि भाजपा अध्यक्ष का चुनाव सही समय पर होगा। इसमें कोई समस्या नहीं है। फडणवीस ने यह भी आश्वासन दिया कि जब भाजपा अध्यक्ष के बारे में फैसला करने की बात आएगी, तो पार्टी सही समय पर सही फैसला लेगी। उन्होंने आगे कहा कि मैं इसका जवाब देने में सक्षम नहीं हूं क्योंकि मैं उस समिति का हिस्सा नहीं हूं जो भाजपा अध्यक्ष चुनाव पर फैसला लेती है। अपने अगले राष्ट्रीय अध्यक्ष की तलाश में जुटी भाजपा अभी तक किसी नाम पर अंतिम रूप से मुहर नहीं लगा पाई है। आलोचकों का अनुमान है कि इसमें आरएसएस की भूमिका हो सकती है और नाम पर आम सहमति न बन पाने के कारण घोषणा में देरी हो रही है। कुछ दिन पहले, मोहन भागवत ने कहा था कि अगर भारतीय जनता पार्टी इस पद के लिए किसी व्यक्ति का नाम तय करती, तो उसे तय करने में इतना समय नहीं लगता था। भागवत की यह टिप्पणी उस समय आई जब उनसे पूछा गया कि क्या देश की सत्तारूढ़ भाजपा के अध्यक्ष और रोडमैप का फैसला आरएसएस ही करता है।

उदलगुरी बना भूकंप का केंद्र, असम में 5.8 तीव्रता के झटके

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा बोले कोई नुकसान नही

रविवार को असम के उदलगुरी जिले में भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.8 मापी गई। राज्य सरकार के अधिकारियों ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि भूकंप शाम 4:41 बजे आया, जिसका केंद्र उदलगुरी में 5 किलोमीटर की गहराई पर था। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा, आज असम में 5.8 तीव्रता का भूकंप आया। इसका केंद्र उदलगुरी के पास था। अभी तक किसी भी बड़े नुकसान या जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। हम स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं।

जिनकी रगों में सिंदूर दौड़ रहा है, वही मैच करा रहे

भारत-पाक मैच पर तेजस्वी का पीएम मोदी पर तंज

पटना। एशिया कप 2025 में आज होने वाले भारत बनाम पाकिस्तान मैच को लेकर राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों की रगों में सिंदूर दौड़ रहा था, वही लोग इस मैच को आयोजित करा रहे हैं। पटना में पत्रकारों से बात करते हुए, तेजस्वी यादव ने कहा, प्रधानमंत्री कहते थे कि उनकी रगों में सिंदूर दौड़ता है, उन्हें ही इस सवाल का जवाब देना चाहिए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पाकिस्तान, भारतीय जनता पार्टी का [illegible] है, क्योंकि दोनों के रिश्ते अपनी सुविधा के अनुसार बदलते रहते हैं। तेजस्वी ने आगे कहा कि कभी युद्ध विराम होता है तो कभी भारत-पाकिस्तान के बीच मैच होता है और कभी खून और पानी के रिश्ते खत्म होने की बात कही जाती है। उन्होंने इन विरोधाभासों पर सवाल उठाते हुए कहा कि इन सब का जवाब प्रधानमंत्री मोदी को देना चाहिए। तेजस्वी का यह बयान ऐसे समय आया है जब हाल ही में हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच यह पहला क्रिकेट मैच है, जिसे लेकर देश में राजनीतिक और सामाजिक बहस छिड़ी हुई है।

अलवर में सड़क हादसे में दो युवकों की मौत, दो घायल

अलवर में शनिवार देर रात सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई व दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने रविवार को बताया कि यह हादसा अरावली विहार थाना क्षेत्र में दो कारों और एक मोटरसाइकिल की टक्कर के कारण हुआ। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मृतकों की पहचान जतिन और मोनू के रूप में हुई है जिनके शव जिला अस्पताल के शवगृह में रखवा दिए गए हैं।

उन्होंने बताया कि यह दुर्घटना भूरा सिद्ध हनुमान मंदिर मार्ग पर उस समय हुई जब मंदिर से तेज गति से निकल रही थार गाड़ी की मंदिर की ओर आ रही कार से आमने-सामने की टक्कर हो गई। उन्होंने बताया कि टक्कर के कारण थार कई बार पलटी और पास से गुजर रही एक मोटरसाइकिल से टकरा गई। अरावली विहार थाने के सहायक उपनिरीक्षक ओम प्रकाश ने कहा, इस दुर्घटना में थार के चालक की भी मौत हो गई। दूसरी कार में सवार लोग घायल हो गए। घायलों का जिला अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मामले में आगे की जांच जारी है।

एशिया कप में भारत-पाकिस्तान मैच पर बवाल

ओवैसी ने उठाए सवाल, शिवसेना का विरोध-प्रदर्शन

नई दिल्ली। एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले बहुप्रतीक्षित मुकाबले से पहले देश दो खेमों में बंट गया है। पहलगाम आतंकी हमले में 26 नागरिकों की मौत और ऑपरेशन सिंदूर के बाद दोनों देशों के बीच बढ़े तनाव के कारण इस मैच को लेकर देशभर में कड़ी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कई राजनेता और नागरिक इस मुकाबले के खिलाफ हैं। ओवैसी का सरकार पर निशाना एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने मैच को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि जिस पाकिस्तान ने पहलगाम में 26 निर्दोष लोगों को मार डाला, उसके साथ क्रिकेट मैच खेलने से इनकार करने का अधिकार सरकार के पास क्यों नहीं है? ओवैसी ने सवाल उठाया कि क्या इस मैच से होने वाली कमाई हमारे 26 नागरिकों की जान से ज्यादा कीमती है? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पुराने बयान को याद दिलाते हुए ओवैसी ने कहा, जब आपने कहा था कि खून और पानी साथ-साथ नहीं बह सकते।

विपक्षी नेताओं का विरोध

कई विपक्षी नेताओं ने भी इस मैच का बहिष्कार करने का आह्वान किया है। महाराष्ट्र में शिवसेना (यूबीटी) की महिला कार्यकर्ताओं ने मुंबई में विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने अपनी मांग को अनोखे तरीके से पेश करते हुए कहा कि वे घर घर से प्रधानमंत्री को सिंदूर भेजेंगी। पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि उनकी महिला कार्यकर्ता इस मैच का विरोध करते हुए सड़कों पर उतरेंगी। यह विरोध इस बात पर जोर दे रहा है कि सुरक्षा और राष्ट्रीय सम्मान आर्थिक लाभ से अधिक महत्वपूर्ण है।

प्रतापगढ़ में दिल दिल दहलाने वाली घटना, पारिवारिक रंजिश में मां-बेटे को जिंदा जलाने का प्रयास, मारपीट भी की गई

प्रतापगढ़। पारिवारिक रंजिश में रविवार शाम को चचिया सास, उसके बेटों समेत आठ लोगों ने महिला के घर में घुसकर उसको और उसके नाबालिग बेटे को मारापीटा। घर में तोड़फोड़ भी की। दोनों को जिंदा जलाने के लिए आग में झोंक दिया। महिला और उसके बेटे ने किसी तरह अपनी जान बचाई। थाने आकर तहरीर दी। आरोप लगाया कि महिला को पहले भी मारापीटा गया था। पुलिस ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया। इसलिए आज बड़ी घटना होते-होते बच गई। इसकी जानकारी होने पर सीओ लालगंज भी मौके पर पहुंचे। मामले की जांच चल रही है। हरिहरपुर कैलहा गांव की पीड़िता वकीला बेगम पत्नी मो. रहीस का पति से विवाद चल रहा है। इसके चलते वह करीब 10 वर्ष से मायके में रह रही थी। ससुराल में पति द्वारा परिवार से अलग घर बना लेने के बाद अगस्त माह के प्रथम सप्ताह में वह वहां आकर रहने लगी। पीड़िता का आरोप है कि उसके वहां आकर रहना शुरू करते ही परिवार के कई लोग विरोध करने लगे। कई बार उसे घर से भगाने का प्रयास किया गया, उसके साथ मारपीट भी की गई। मामले की शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। परिणाम में मनबढ़ हुए आरोपितों ने रविवार शाम करीब पौने चार बजे घर में आग लगाकर पीड़िता व उसके बेटे को जिन्दा जलाने का असफल प्रयास किया गया। पीड़िता वकीला बेगम का आरोप है कि उसकी चचिया सास ने अपने दो बेटों समेत आठ लोगों के साथ उसके घर पर धावा बोल दिया। घर का गेट तोड़ने लगे। इसके बाद घर के पीछे की खिड़की तोड़कर अंदर घुस आए और आग लगाकर भाग निकले।

बस्ती संकुल बना सर्वजेता, गोरखपुर संकुल उप विजेता

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान व शिक्षक/स्नातक एमएलसी चुनाव की संयुक्त कार्यशाला भाजपा जिला कार्यालय पर सम्पन्न हुयी कार्यशाला में बतौर मुख्यातिथि काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अमरनाथ यादव व पूर्व विधायक/ एमएलसी चुनाव संयोजक वाराणसी क्षेत्र सुरेन्द्र सिंह मौजूद रहे। संयुक्त कार्यशाला का शुभारम्भ पं0 दीनदयाल उपाध्याय व डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित व दीप प्रज्वलन कर मुख्यअतिथि अमर नाथ यादव व पूर्व विधायक सुरेन्द्र सिंह, जिला प्रभारी अनिल सिंह व भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल ने किया। कार्यशाला की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल व संचालन जिला संयोजक ओमप्रकाश दुबे/ ब्यामुरारी गुप्ता ने किया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए बतौर मुख्यअतिथि अमरनाथ यादव ने बताया कि आत्मनिर्भर भारत अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वह दूरदर्शी दर्शन है जिसके साकार होने से भारत वैश्विक स्तर पर एक मजबूत और प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में अवतरित होकर अपनी छवि को निखार सकेगा इस अभियान के लिए घोषित आर्थिक पैकेज यदि सही दिशा में संचालित हुआ तो निश्चित रूप से देश आत्मनिर्भर बनकर विश्व के अन्य देशों की भी सहायता करेगा ऐसी तमाम बातों को विस्तार से बताया और आगे कहा कि इस अभियान का उद्देश्य देश को उन सभी विदेशी निर्भरताओं को समाप्त करना है जिसके चलते आज भारत का व्यापारतर व्यापार बड़ा देशों पर टिका है आत्मनिर्भर भारत निर्भर है यह अभियान वस्तुओं पर निर्भरता को नियंत्रित करते हुए अच्छी गुणवत्ता वाले स्वदेशी उत्पादों को अपनी भूमि पर तैयार करने की सीख देता है इस अभियान का उद्देश्य भारत के उद्योगों में सुधार लाकर युवाओं के लिए रोजगार सृजन करना है इस अभियान के तहत सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों, गरीबों, श्रमिकों और किसानों के कल्याण के लिए की गई घोषणाएं आत्मनिर्भर भारत का मूलमंत्र है ऐसी तमाम बातों को विस्तार से साझा किया। बैठक को संबोधित करते हुए बतौर मुख्यअतिथि पूर्व विधायक सुरेन्द्र सिंह ने कहा कि शिक्षक व स्नातक क्षेत्र एमएलसी चुनाव में वाराणसी क्षेत्र पर भाजपा को निश्चित विजय की रणनीति बनाकर काम करना है। नीति और आर्थिक क्षेत्र में आत्मनिर्भरता एक प्रमुख चर्चा का विषय रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा जी ने यह निर्णय लिया है कि आत्मनिर्भरता का यह संदेश आत्मनिर्भर भारत संकल्प के माध्यम से देश के हर नागरिक तक पहुँचाया जाये और उन्हें स्वदेशी उत्पादों के उपयोग एवं स्वदेशी जीवन मूल्यों को अपनाने का संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया जाये। उपस्थित कार्यकर्ताओं को हर घर स्वदेशी घर घर स्वदेशी के मूल मंत्र पर चलते हुए समाज में आमजन को स्वदेशी के प्रति प्रेरित करने का आह्वान किया। संयुक्त बैठक की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष नन्द लाल जी ने आये हुए सभी अतिथियों को स्मृतिचिन्ह माल्यार्पण व अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया व आये हुए सभी कार्यकर्ताओं का आभार प्रकट व धन्यवाद ज्ञापित किया। बैठक में मुख्यरूप से पूर्व सांसद नरेन्द्र कुशवाहा, शारदा खरवार, रामलखन सिंह, अशोक मिश्रा, धर्मवीर तिवारी, अजीत चौबे, अनिल सिंह गौतम, कार्यक्रम के सह संयोजक शम्भु नारायण सिंह, बलराम सोनी, प्रशान्त श्रीवास्तव, नगर प्रमुख आलोक सिंह, जिला मिडिया प्रभारी अनूप तिवारी, अनिल सिंह गौतम, अशोक मौर्या, उदयनाथ मौर्या, रामसुन्दर निषाद, ब्यामुरारी गुप्ता, संतोष शुक्ला, पुष्पा सिंह, मनोज सोनकर, कैलाश बैसवार, मण्डल अध्यक्ष विनय श्रीवास्तव, दिलिप चौबे, सीमा गुप्ता, योगेन्द्र बिन्द, लखनदेव, मनीष पटेल, संजय केशरी, रामलाल चेरो, दीपक शाह, विमलेश चौबे, अंकुर सिंह, हरीराम छावि, प्रमोद शुक्ला, शिवनाथ जायसवाल, देवेन्द्र गुप्ता आदि सैकड़ों कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

जयन्ती पर याद किये गये शहीद-ए- आजम भगत सिंह

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। शहीद-ए- आजम सरदार भगत सिंह को उनकी जयंती पर याद किया गया।

कायस्थ सेवा ट्रस्ट के मण्डल उपाध्यक्ष आलोक श्रीवास्तव के संयोजन में रोडवेज तिराहे पर स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन् के साथ ही योगदान पर चर्चा की गई। ट्रस्ट के संरक्षक राजेश श्रीवास्तव व आशीष श्रीवास्तव ने कहा कि भगत सिंह के साथ सुखदेव और राजगुरु को भी फांसी दी गई थी। भगत सिंह ने लगभग 100 साल पहले कहा था कि वह मुझे मार सकते हैं लेकिन मेरे विचारों को नहीं। उनकी यह बात आज तक सही साबित होती है। भगत सिंह अब नहीं हैं, लेकिन उनके विचार कायम हैं और हमेशा रहेंगे। संस्थापक अजय कुमार श्रीवास्तव एवं जिला अध्यक्ष मुकेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि भगत सिंह जेल में रहते हुए मैं नास्तिक क्यों हूं जैसे विचारोत्तेजक लेख लिखें। भगत सिंह की क्रांति और बलिदान आज भी भारतीय युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बने हुए हैं। सलाहकार समिति के सदस्य नवीन श्रीवास्तव व जिला महामंत्री किशास चित्रांश ने कहा कि भगत सिंह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के सबसे कम उम्र के बलिदानियों में से एक थे। उनकी देशभक्ति अंग्रेजों के खिलाफ मजबूत हिंसक विस्फोट की तरह थी। शहीदे आजम भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने वालों में मुख्य रूप से ट्रस्ट के वरिष्ठ पदाधिकारी दुर्गेन्द्र श्रीवास्तव, दुर्गेश श्रीवास्तव, मंडल संरक्षक डब्बू श्रीवास्तव, सलाहकार समिति के सदस्य संतोष श्रीवास्तव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरुण श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष रणदीप माथुर, राजेश श्रीवास्तव, प्रिंस श्रीवास्तव, गौर ब्लाक अध्यक्ष अभिषेक श्रीवास्तव गुड्डलक आदि शामिल रहे।

अनन्ता हार्ट एवं कैंसर हॉस्पिटल में रक्तदान शिविर का आयोजन

50 लोगों ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। अनन्ता हार्ट एवं कैंसर हॉस्पिटल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 50 से अधिक लोगों ने स्वैच्छिक रूप से रक्तदान किया। हॉस्पिटल के डायरेक्टर अजय चौधरी और राहुल चौधरी ने कहा कि रक्तदान को महादान इसलिये कहा गया है कि रक्तदाता पीड़ित लोगों के प्राण बचाने का माध्यम बनते हैं। कहा कि रक्तदान से शरीर पर कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ता। रक्तदान करने आए कई युवाओं ने इसे अपने जीवन का यादगार अनुभव बताया और कहा कि रक्तदान से न केवल दूसरों की जिंदगी बचती है बल्कि इससे आत्मसंतोष और गर्व की अनुभूति होती है। रक्तदान करने वालों में राहुल चौधरी, सुनील कुमार चौधरी, राहुल पटेल, सुरेन्द्र प्रताप, राम सुरेश, धर्मेन्द्र चौधरी, राकेश कुमार, अभय पटेल, विजय कुमार, देवेश पटेल आदि शामिल रहे। शिविर का आयोजन पी.डब्लू.डी. के निकट स्थित हॉस्पिटल परिसर में किया गया। सेवा ब्लड एण्ड काम्पोनेन्ट सेन्टर के लोगों ने रक्त संग्रह किया।

मां दुर्गा की आंख की पट्टी खुलते ही जयकारों से गूंज उठा पंडाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज। अमन चैन कमेटी के तत्वाधान मे इस बार 34 वे वर्ष के लिए भानपुर रानी मे आयोजित मां दुर्गा पूजा समारोह में शनिवार की रात्रि मां दुर्गा जी की आंख की पट्टी खुलने के साथ शुभारंभ हो गया। आचार्य पंडित पुजारी प्रसाद दुबे द्वारा विधि-विधान के साथ पूजन का कार्य सम्पन्न कराया गया . पूजन का कार्य समाप्त होते ही भानपुर रानी निवासी

समाजसेवी मदनमोहन श्रीवास्तव द्वारा मां दुर्गा के आंख की पट्टी खोलते ही पूरा पंडाल मातारानी के गगनभेदी जय जयकारों से गूंज उठा । इस अवसर पर कार्यक्रम आयोजक एवं अमन चैन कमेटी अध्यक्ष ओमप्रकाश श्रीवास्तव, मुख्य यजमान कल्पनारायण अग्रहरि, पूर्व प्रधान संतोष सैनी, अभय श्रीवास्तव, मोहम्मद जमाल, संतोष अग्रहरि, कमल किशोर श्रीवास्तव, शिवकुमार रावत, प्रिंस कन्नौजिया, कमलेश अग्रहरि, राजाराम कन्नौजिया, अंशित अग्रहरि आदि मौजूद रहे।

अपने आस पास स्वच्छता रखें तो होने वाली बीमारियों से बच सकते है-अंकुर वर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। सामाजिक संस्था

बस्ती विकास समिति द्वारा नगरपालिका के सहयोग से एक विशेष जन जागरूकता अभियान चलाया गया स्वच्छ बस्ती सुंदर बस्ती एक कदम स्वच्छता की ओर इस अभियान के अंतर्गत मुहल्ला तुरकहिया में साफ सफाई की गई। समिति के कार्यकर्ताओं ने गलियों और सड़कों से कचरा हटाकर नागरिकों को स्वच्छता की जानकारी दिया। स्वच्छता अभियान के दौरान स्थानीय लोगों से अपील की गयी कि इधर-उधर या सड़कों पर कूड़ा करकट न फेंकने तथा अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने में सक्रिय सहयोग दें। इसी कड़ी में समिति के उपाध्यक्ष अंकुर वर्मा ने कहा की शहर की सुंदरता और स्वस्थ्य स्वच्छता पर निर्भर करता है यदि हम सब मिलकर अपने आसपास को साफ रखें तो बीमारियों से भी बच सकते हैं और आने वाली पीढ़ी को एक अच्छा वातावरण दे सकते हैं। पवन वर्मा ने कहा कि यह एक जन जागरूकता अभियान है। स्वच्छता अभियान के दौरान समासद मोहम्मद इदरीश, रोहन श्रीवास्तव, अखिलेश त्रिपाठी, नरेंद्र सिंह, गणेश श्रीवास्तव, सूरज गुप्ता, पार्थ श्रीवास्तव, विवेक श्रीवास्तव, दुर्गेश त्रिपाठी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में 400 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण

बहु उपयोगी हैं स्वास्थ्य शिविर- अभिषेक कुमार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिन के उपलक्ष्य में मनाये जा रहे सेवा पखवाड़ा की कड़ी में रविवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र साऊंघाट में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार मेगा कैंप का आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन करते हुये ब्लाक प्रमुख अभिषेक कुमार ने कहा कि इस प्रकार के शिविर से आमजन को लाभ मिलेगा और नारी समाज में जागरूकता आएगी जब नारी का सर्वांगीण विकास होगा तो उसके साथ समूचे परिवार की स्वत समृद्धि होगी । स्वास्थ्य शिविर में लगभग 400 मरीजो का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क औषधि उपलब्ध करायी गई। स्वास्थ्य शिविर को सम्पन्न कराने में अधीक्षक डा ए के सिंह, डा. सुनील तिवारी सर्जन, डा. दीपक डेंटल सर्जन, डा. पूनम महिला चिकित्सक, डा. ए.के. दुबे मनोचिकित्सक, डा. प्रतिमा चर्म रोग, डा. सुनील , डा. शशी कुमार, डा. भानु गिरी फिजिशियन, डा. सुबोध हड्डी रोग डा. अजय बाल रोग, डा. बृजेश ई एनटी के अलावा आयुष एवं होम्योपैथिक विभाग के लोगों ने मरीजों की जांच कर उपचार किया। इस दौरान स्वास्थ्य केंद्र पर 400 से अधिक पुरुष महिला एवं बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण करवाने के बाद आवश्यक दवा वितरण फार्मासिस्ट विनय शुक्ला श्याम कुंवर सुभाष वर्मा द्वारा किया गया। शिविर को सम्पन्न कराने में मुख्य रूप से बीपीएम रविन्द्र पटेल, बीएम अरविंद सिंह, एचईओ बृजेन्द्र कुमार, रामगोपाल गुप्ता, प्रमोद शर्मा, परमानंद गुप्ता, एल टी भानु प्रताप, रजतलता महिमा , पूर्णिमा पाण्डेय, प्रेम शंकर, पवन, अंकित, एआरओ विवेक कुमार के साथ ही आशुतोष यदुवंश, अनिल चौधरी, सोनू कुमार, प्रशान्त कुमार, रिजेन्द्र वर्मा, अरविन्द सिंह, विनोद शर्मा, रविन्द्र पटेल, रोशनी उपाध्याय, मितेन्द्र कुमार,मनमोहन वर्मा आदि ने योगदान दिया।

पूर्व विधायक ईश्वर चंद शुक्ल की पांचवीं पुण्यतिथि मनाई गई

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार। मूरती देवी स्मारक महाविद्यालय पकडी में महाविद्यालय के संस्थापक प्रबंधक स्वर्गीय ईश्वर चंद शुक्ल की पांचवी पुण्य तिथि शुक्रवार को महाविद्यालय परिवार द्वारा मनाई गई। इस पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में उनके चित्र पर पुष्प अर्पित एवं माल्यार्पण करके उन्हें याद किया गया। वक्ताओं ने अपने संबोधन में उनके स्मृतियों को याद किया। महाविद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक डॉक्टर जे एन मिश्र ने कहा कि स्वर्गीय ईश्वर चंद शुक्ल ने सामाजिक उत्थान के साथ शैक्षिक उन्नयन के लिए भी महत्वपूर्ण कार्य किया। महाविद्यालय की स्थापना करके उच्च शिक्षा की दिशा में सार्थक कार्य किया। इस अवसर पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख प्रभात शुक्ल सहित महाविद्यालय के शिक्षक, शिक्षिकाएं, छात्र, छात्राएं उपस्थित रही।

मिशन शक्ति अभियान के तहत रुधौली पुलिस द्वारा पिंक शिकायत पेटिका का किया गया शुभारंभ

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती।रुधौली प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार मय मिशन शक्ति केंद्र टीमथाना रुधौली के हेड कांस्टेबल दीपक गोविंद राय, का0 अनुभव, का0 वेद प्रकाश पाण्डेय, म0का0 गोल्डी मौर्य,म0का0 सावित्री द्वारा प्रिंसिपल विद्यालय में मिशन शक्ति अभियान के दृष्टिगत पिंक शिकायत पेटिका का शुभारंभ कर महिलाओं और बच्चियों को जागरूक किया गया जिसमें प्रिंसिपल विद्यालय के प्रबंधक सुशांत पाण्डेय, प्रधानाचार्य पंकज पाण्डेय, चन्द्र प्रकाश पाण्डेय आदी लोग मौजूद रहे तथा विद्यालय के छात्र छात्राएं भी

मौजूद रहे मौजूद छात्र छात्राओं को जागरूक किया गया पिंक शिकायत पेटिका में महिलाएं एवं बच्चियां बिना अपना नाम पता लिखेंअपनी शिकायत लिखकर पटका मैंढाल देंगे पेट का की एक चाबीप्रधानाचार्यऔर एक चाबी प्रभारी निरीक्षक के पास रहेगी सत्ता के अंत में दोनों की उपस्थिति में पेटिका खोली जाएगीऔर प्राप्त शिकायतों पर कार्रवाई की जाएगीशिकायतकर्ता अपना नाम पता नहीं लिखेंगेउनका नाम पूरी तरह से गोपनी रखा जाएगा यह अभियान अनवरत जारी रहेगा थाना क्षेत्र के सभी स्कूलों में कॉलेज में जहां पर बच्चियां पढ़ती हैं वहां पर यह पेटी का स्कूल के प्रबंधन कमेटी के सहयोग से लगवाया जाएगा साथ हि तहसीलों में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर ब्लाकों पर ऐसे सभी सार्वजनिक स्थानों पर जहां पर लोग आते जाते हैं बेहिचक इस तरह की शिकायत पेटिका जिसका पिंक शिकायत पेटी का नाम दिया गया है लगाई जाएगी आज थाना रुधौली पर पिंक शिकायत पेटिका लगाई गई है साथ ही चतम्भे विद्यापीठ से इसकी शुरुआत की गई

ट्रंप ने नाटो देशों से चीन पर 50–100 प्रतिशत शुल्क लगाने को कहा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को कहा कि नाटो देशों को यूक्रेन संघर्ष खत्म करने में मदद के लिए चीन पर 50 से 100 प्रतिशत शुल्क लगाना चाहिए और रूस से तेल खरीदना बंद कर देना चाहिए। इससे एक दिन पहले अमेरिका ने जी–7 देशों से रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर शुल्क लगाने का अनुरोध किया था।

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किया कि वह रूस पर बड़े प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार हैं, बशर्ते सभी नाटो देश सहमत हो जाएं और ऐसा ही करना शुरू कर दें तथा मास्को से तेल खरीदना बंद कर दें।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि जीत के लिए नाटो की प्रतिबद्धता 100 प्रतिशत से बहुत कम रही है, और कुछ लोगों द्वारा रूसी तेल की खरीद चौंकाने वाली है। उन्होंने कहा, यह रूस के साथ आपकी बातचीत की स्थिति और सौदेबाजी की शक्ति को बहुत कमजोर करता है।

ट्रंप ने कहा कि जब नाटो देश सहमत होंगे, तो वह आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि चीन पर 50 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक शुल्क लगाने से इस घातक, लेकिन हास्यास्पद युद्ध को खत्म करने में बहुत मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा, चीन का रूस पर मजबूत नियंत्रण और पकड़ है, और ये शक्तिशाली शुल्क उस पकड़ को तोड़ देंगे। ट्रंप ने यह भी कहा कि यूक्रेन युद्ध उनका संघर्ष नहीं है और अगर वह राष्ट्रपति होते तो यह संघर्ष कभी शुरू ही नहीं होता।

उन्होंने कहा, यह बाइडेन और जेलेंस्की का युद्ध है। मैं यहां केवल इसे रोकने और हजारों रूसी और यूक्रेनी लोगों की जान बचाने के लिए हूं... अगर नाटो मेरे कहे अनुसार करता है, तो युद्ध जल्दी खत्म हो जाएगा और उन सभी की जान बच जाएगी! अगर नहीं, तो आप मेरा और अमेरिका का समय, ऊर्जा और पैसा बर्बाद कर रहे हैं। अमेरिका ने चीन से आयात पर 30 प्रतिशत अतिरिक्त कर लगाया है, जबकि बीजिंग ने वाशिंगटन से आयात पर 10 प्रतिशत कर लगाया है।

लंदन की सड़कों पर लाखों लोगों का हुजूम इकट्ठा करने वाले टॉमी रॉबिन्सन कौन हैं?

शनिवार 13 सितंबर को लंदन की सड़कों पर दक्षिणपंथी कार्यकर्ता टॉमी रॉबिन्सन के नेतृत्व में भारी संख्या में लोग उतरे। यूनाइटेड द किंगडम नाम की इस रैली का मकसद आप्रवासन (इमिग्रेशन) का विरोध करना था। लेकिन प्रदर्शन हिंसक हो गया और भीड़ की पुलिस से झड़प हो गई। इस दौरान 26 पुलिसकर्मी घायल हो गए। अधिकारियों के मुताबिक, प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर घूंसे, लात और बोतलों से हमला किया। इनमें से चार पुलिसकर्मियों की हालत गंभीर है, जिनके दांत और नाक टूट गए और सिर पर गहरी चोटें आईं। पुलिस ने हिंसा, हमले और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोप में अब तक कम से कम 25 लोगों को गिरफ्तार किया है।

टॉमी रॉबिन्सन कौन हैं?

टॉमी रॉबिन्सन का असली नाम स्टीफन याक्सली–लेनन है। वे ब्रिटेन के दक्षिणपंथी कार्यकर्ता और इंग्लिश डिफेंस लीग (ईडीएल) के संस्थापक हैं। यह संगठन इस्लाम विरोधी बयानों और हिंसक प्रदर्शनों के लिए बदनाम रहा है। सोशल मीडिया बैन 2018 में ट्विटर और 2019 में फेसबुक–इंस्टाग्राम ने उन्हें अभद्र भाषा व घृणा फैलाने वाले बयानों के कारण प्रतिबंधित कर दिया था। 2022 में एलन मस्क के ट्विटर (अब एक्स) खरीदने के बाद उनका अकाउंट बहाल हुआ और आज उनके 10 लाख से ज्यादा फॉलोवर्स हैं। अमेरिकी रिश्ते रॉबिन्सन ने अमेरिका के दक्षिणपंथी संगठनों से संबंध बनाए। वे फॉक्स न्यूज और इन्फोवार्स जैसे मीडिया मंचों पर दिखाई दिए और मिडिल ईस्ट फोरम से आर्थिक मदद भी मिली। प्राउड बॉयज के पूर्व नेता एनरिक टैरियो उन्हें शुभचिंतक मानते हैं। विवाद अगस्त 2024 में ब्रिटेन के साउथपोर्ट में हुई चाकूबाजी के बाद उन्होंने हमलावर के मुस्लिम होने का झूठा दावा फैलाया और समर्थकों को उठने की अपील की।

इसके चलते उन पर दंगे भड़काने का आरोप लगा। आपराधिक मामले रॉबिन्सन का एक लंबा आपराधिक इतिहास है, जिसमें कई अलग–अलग तरह के अपराध शामिल हैं। उनके ऊपर कई अपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें साल 2005 में हमला करने का, 2012 में पासपोर्ट धोखाधड़ी का और 2014 में बंधक धोखाधड़ी का आरोप शामिल है। इसके अतिरिक्त, उन्हें 2018 में अदालत की अवमानना के लिए भी दोषी ठहराया गया था। इन मामलों के कारण वे अब तक कुल चार बार जेल की सजा काट चुके हैं।

भारत के बाद अब चीन के पीछे पड़े डोनाल्ड ट्रंप, नाटो को चेताया तो ड्रैगन का जवाब आया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा नाटो सहयोगियों पर रूस से तेल खरीदने के लिए नए टैरिफ लगाने की धमकी के बाद, चीन ने वाशिंगटन को कड़ा संदेश दिया है। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने स्लोवेनिया में कहा कि बीजिंग न तो युद्ध की साजिश रचता है और न ही उसमें हिस्सा लेता है, और यह भी चेतावनी दी कि प्रतिबंध केवल संघर्षों को और जटिल बनाते हैं।

ट्रंप की नाटो को चेतावनी

ट्रंप ने नाटो सदस्यों को लिखे एक पत्र में रूसी ऊर्जा खरीदने वाले देशों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वह रूस पर बड़े प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार हैं, बशर्ते सभी नाटो देश ऐसा करने पर सहमत हों और रूस से तेल खरीदना बंद कर दें। ट्रंप ने इन खरीदों को स्वीकाने चौंकाने वाला बताया और कहा कि नाटो देश ऐसा करके रूस के साथ अपनी सौदेबाजी की शक्ति को कमजोर कर रहे हैं।

चीन पर दबाव की कोशिश

अमेरिका पहले ही भारत पर रूसी कच्चे तेल के आयात के लिए भारी शुल्क लगा चुका है। अब ट्रंप का प्रशासन चीन पर भी इसी तरह के दंड लगाने पर जोर दे रहा है, जिसे रूस के लिए एक महत्वपूर्ण आर्थिक रजीवन रेखा माना जाता है। अमेरिकी अधिकारी जी7 देशों (कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान और ब्रिटेन) पर भी भारत और चीन को लक्षित करने वाले शुल्कों का समर्थन करने के लिए दबाव बना रहे हैं। वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि पुतिन की युद्ध मशीन को रोकने के लिए एक एकीकृत प्रयास की आवश्यकता है।

चीन का रुख: चीन ने रूस के साथ अपने घनिष्ठ संबंध बनाए रखते हुए टकराव से बचने की अपनी स्थिति को दोहराया है। विदेश मंत्री वांग यी ने हाल ही में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से बातचीत के दौरान भी यही रुख अपनाया था। स्लोवेनिया में उनकी टिप्पणियों ने वाशिंगटन की प्रतिबंध–आधारित नीति का सीधा विरोध किया।

ट्रंप की राजनीतिक रणनीति

ट्रंप ने इस युद्ध की जिम्मेदारी बाइडेन प्रशासन पर डाली है, यह कहते हुए कि अगर वह राष्ट्रपति होते तो यह युद्ध कभी शुरू नहीं होता। उन्होंने यह भी दावा किया कि सामूहिक प्रतिबंध और रूसी तेल की खरीद बंद करने से युद्ध जल्दी खत्म होगा और हजारों जानें बचेंगी। ट्रंप ने चेतावनी दी कि नाटो एकता के बिना, यह सब केवल समय और संसाधनों की बर्बादी है।

मास्को और कीव की प्रतिक्रिया

ट्रंप की धमकियों के बावजूद, उन्होंने अभी तक मास्को पर कोई नया प्रतिबंध नहीं लगाया है जिससे यूक्रेनी अधिकारी निराश हैं। इस बीच, रूस ने यूक्रेन पर युद्ध शुरू होने के बाद से अपना सबसे बड़ा हवाई हमला किया है। ट्रंप के बयान से यह सवाल उठ रहा है कि वह कितनी दूर तक जाने को तैयार हैं और अपने सहयोगियों से कितनी एकता हासिल कर सकते हैं।

फ्लिपकार्ट इंडिया का घाटा वित्त वर्ष 2024–25 में बढ़कर 5,189 करोड़ रुपये हुआ

वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली ई–कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का एकीकृत घाटा वित्त वर्ष 2024–25 की चौथी तिमाही (जनवरी–मार्च) में बढ़कर 5,189 करोड़ रुपये हो गया। कारोबार खुफिया मंच टॉफलर द्वारा प्राप्त आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। वित्तीय स्थिति पर टिप्पणी के लिए फ्लिपकार्ट को भेजे गए ईमेल का कोई जवाब नहीं मिला। इससे पिछले वित्त वर्ष (2023–24) में फ्लिपकार्ट इंडिया का घाटा 4,248.3 करोड़ रुपये था। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024–25 में परिचालन से एकीकृत आय में 17.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो वित्त वर्ष 2023–24 के 70,541.9 करोड़ रुपये से बढ़कर 82,787.3 करोड़ रुपये हो गई। टॉफलर से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान कंपनी का कुल व्यय 17.4 प्रतिशत बढ़कर 88,121.4 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी की वित्तीय लागत में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जो वित्त वर्ष 2024–25 में 57 प्रतिशत बढ़कर लगभग 454 करोड़ रुपये हो गई।

पूर्व कांग्रेस सांसद मोहिंदर केपी के बेटे की मौत, जालंधर में बेकाबू कार ने फॉर्च्यूनर को मारी टक्कर

जालंधर। पंजाब के जालंधर में 4 गाड़ियों की भीषण टक्कर में पूर्व सांसद व वरिष्ठ अकाली नेता मोहिंदर सिंह केपी के इकलौते बेटे रिच्ची केपी (36) की मौत हो गई। घटना शनिवार देर रात हुई। जालंधर के माडल टाउन के माता रानी चौक के पास देर रात करीब 1 बजे तेज रफ्तार क्रेटा कार चालक ने तीन गाड़ियों को टक्कर मारी। इसके बाद फरार हो गया। हादसे में फॉर्च्यूनर कार में सवार पूर्व सांसद मोहिंदर सिंह केपी के बेटे रिच्ची केपी गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के पटेल अस्पताल दाखिल करवाया, जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। रिच्ची दो बहनों का इकलौता भाई था।

इसी दौरान एक तेज रफ्तार क्रेटा कार चालक तीन गाड़ियों को टक्कर मार भाग गया। क्रेटा कार में चालक के साथ–साथ एक बच्चा और महिला थी, जिन्हें चोटें आईं। रिच्ची दोस्त को मोबाइल लौटाने के लिए घर से कार में निकला था कि रास्ते में हादसा हो गया। केपी पूर्व सीएम चरणजीत चन्नी के रिश्तेदार हैं। वह पीपीसीसी के प्रधान, सांसद, पूर्व सीडब्लयूसी के सदस्य और पंजाब के मंत्री रह चुके हैं। वह इन दिनों अकाली दल में हैं। कांग्रेस से टिकट न मिलने के कारण उन्होंने पार्टी छोड़ दी थी।

ब्रिटेन विनाश के कगार पर, London Protest के बाद एलन मस्क ने ऐसा क्यों कहा?

अरबपति उद्योगपति एलन मस्क ने लंदन में आयोजित यूनाइटेड द किंगडम रैली को वर्चुअली संबोधित किया। यह रैली दक्षिणपंथी कार्यकर्ता टॉमी रॉबिन्सन के नेतृत्व में आव्रजन (इमिग्रेशन) के विरोध में आयोजित की गई थी। इस दौरान मस्क ने कहा कि ब्रिटेन शासन परिवर्तन के बिना बच नहीं पाएगा और चेतावनी दी कि देश विनाश के कगार पर है।

मस्क ने लगभग 1.1 लाख लोगों की भीड़ को संबोधित करते हुए कहा, "ब्रिटेन धीरे–धीरे पतन की ओर बढ़ रहा है और अब यह स्थिति अनियंत्रित प्रवासन के कारण तेजी से बिगड़ रही है। ब्रिटिश होने में एक खूबसूरती है, लेकिन मैं देख रहा हूं कि यह खूबसूरती खत्म हो रही है।"

उन्होंने भीड़ से सीधे तौर पर कहा कि "हिंसा आ रही है" और चेतावनी दी, "आपके पास केवल दो विकल्प हैं, प्रतिरोध करें या मर जाएं। चाहे आप चाहें या न चाहें, हिंसा आपके पास आने ही वाली है।"

सरकार बदलने की अपील

मस्क ने प्रधानमंत्री कीर स्टारमर की लेबर सरकार को निशाना बनाते हुए कहा कि ब्रिटेन में तत्काल सत्ता परिवर्तन होना चाहिए। उन्होंने कहा, "हमारे पास अगले चार साल इंतजार करने का समय नहीं है। संसद को भंग करके तुरंत नया चुनाव कराना ही होगा।"

वामपंथियों पर हिंसा का आरोप: मस्क ने अमेरिका के रूढ़िवादी कार्यकर्ता चार्ली किर्क की हाल ही में हुई हत्या का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि वामपंथ हिंसा का सहारा ले रहा है और उनकी घटनाओं का जश्न मना रहा है।

रैली में झड़प

शनिवार को आयोजित इस रैली में 1.10 लाख से अधिक लोग शामिल हुए। भीड़ तब उग्र हो गई जब रॉबिन्सन समर्थकों की पुलिस से झड़प हो गई। पुलिस उन्हें विरोधी प्रदर्शनकारियों से अलग रखने की कोशिश कर रही थी। रैली में मस्क के अलावा ब्रिटिश टिप्पणीकार केटी हॉपकिंस और फ्रांसीसी दक्षिणपंथी नेता एरिक जेमोर ने भी भाषण दिया।

भारत–पाक मैच पर भड़की कांग्रेस, बलवंत वानखड़े बोले– ये सैनिकों का अपमान है

अमरावती। महाराष्ट्र के अमरावती से कांग्रेस सांसद बलवंत बसवंत वानखड़े ने भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले क्रिकेट मैच का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि जिस देश ने भारत की अस्मिता पर हमला किया, उसके साथ क्रिकेट मैच खेलना गलत है। इस मैच के जरिए पहलगाम हमले में शहीद हुए निर्दोषों और सैनिकों की वीरता का अपमान हो रहा है। कांग्रेस सांसद बलवंत बसवंत वानखड़े ने रविवार को कहा, जिन्होंने भारत की अस्मिता पर हमला किया और जिनके कारण एक आतंकी हमले में निर्दोष लोग मारे गए हैं उस देश के साथ क्रिकेट खेलना सही नहीं है।

पहलगाम हमले के बाद हमारे सैनिकों ने वीरता का परिचय दिया और आतंकियों को उनके अंजाम तक पहुंचाया। ऐसे में आज का मैच हमारे सैनिकों की वीरता का अपमान है। उन्होंने आगे कहा, पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान का पानी बंद किया और बाकी अन्य संबंध भी खत्म कर दिए। इसके बावजूद भारत–पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मैच क्यों हो रहा है? इस मैच के होने से न केवल हमारे सैनिकों का अपमान हो रहा है बल्कि हम कमजोर भी दिखाई दे रहे हैं। इसलिए मैं इस मैच की अनुमति देने वालों की कड़ी निंदा करता हूं।

भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार को एशिया कप 2025 का हाई–वोल्टेज मैच खेला जाना है। टी20 फॉर्मेट के एशिया कप में अब तक दोनों देश तीन बार आमने–सामने रहे हैं, जिसमें टीम इंडिया का पलड़ा भारी रहा। हालांकि, इस मैच को लेकर लोगों का विरोध भी देखने को मिल रहा है। जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को हुए आतंकी हमले में अपनी जान गंवाने वाले मृतकों के परिवार ने भारत–पाकिस्तान क्रिकेट मैच का विरोध किया है। गुजरात के भावनगर के यतीशभाई परमार और उनके बेटे स्मित के परिवार ने भारत–पाकिस्तान क्रिकेट मैच पर विरोध जताया। पीड़ित परिवार ने कहा कि हमारे आंसू अभी सूखे भी नहीं हैं, ऐसे में पाकिस्तान के साथ कोई मैच या संबंध नहीं होना चाहिए।

तेजस्वी यादव ने दिखाया पूर्णिया मेडिकल कॉलेज की बदहाली का सच, पूछा सवाल– सुविधाएं क्यों नहीं?

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार देर रात पूर्णिया के गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (जीएमसीएच) का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बिहार सरकार पर स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाली को लेकर हमला बोला।

उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार के भ्रष्ट मंत्री और अधिकारी भ्रष्टाचार में कमीशन खाने के लिए हजारों करोड़ रुपए खर्च कर केवल बिल्डिंग बनाते हैं, लेकिन डॉक्टर, स्वास्थ्यकर्मी, लैब टेक्नीशियन, ड्रेसर और असिस्टेंट की नियुक्ति नहीं करते। राजद नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के औचक निरीक्षण का वीडियो शेयर किया। उन्होंने अस्पताल की बदहाली को लेकर बिहार सरकार से सवाल भी किया।

उन्होंने एक्स पर लिखा, कल देर रात्रि गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (जीएमसीएच), पूर्णिया का औचक निरीक्षण किया। वीडियो में 20 सालों की एनडीए सरकार की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था की एक छोटी सी बानगी देखिए। यह बदहाली किसी जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की नहीं, बल्कि तथाकथित मेडिकल कॉलेज की है। इसका आंखों देखा हाल जानिए और इस जुमलेबाज निकम्मी सरकार के अमंगलकारी स्वास्थ्य मंत्री को लानत भेजिए। तेजस्वी यादव ने अस्पताल की बदहाल स्थिति का जिक्र करते हुए कहा, यह मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल है, लेकिन यहां आईसीयू नहीं है। ट्रॉमा सेंटर चालू नहीं है। कार्डियोलॉजी यानि हृदय रोग विभाग है ही नहीं। एक बेड पर तीन–तीन मरीज लेटा रहते हैं। 15–20 दिन में भी मरीजों की बेडशीट नहीं बदली जाती। हड्डी रोग से संबंधित और विकलांग शल्य चिकित्सा से संबंधित मरीजों के लिए शौचालय दो फीट ऊंचा है। साफ–सफाई बिल्कुल भी नहीं है। जीएमसीएच, मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल है, लेकिन यहां नर्स के स्वीकृत 255 पदों में से केवल 55 नर्स ही कार्यरत हैं वो भी तीन शिफ्ट में यानि एक बार में केवल 18 नर्स ही ड्यूटी पर रहती हैं। छुट्टी पर रहेंगी तो उससे भी कम। तेजस्वी ने कहा, जीएमसीएच में 80 प्रतिशत चिकित्सकों के पद रिक्त हैं। जीएमसीएच में एक भी स्थायी ड्रेसर नहीं है। पूरे कॉलेज और हॉस्पिटल में केवल चार ओटी सहायक हैं। 23 विभाग में से अनेक विभाग बंद हैं। प्रोफेसर और सहायक प्रोफेसर नाम मात्र हैं। मेडिकल इंटर्न को 6 महीनों से सैलरी नहीं मिली है। सरकारी अस्पताल और मेडिकल कॉलेज में चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी, स्वास्थ्य उपकरण, स्वास्थ्य सेवा और सुविधा के अभाव में पूर्णिया के निजी अस्पतालों में प्रतिदिन 10,000 मरीज जाते हैं। एनडीए सरकार के भ्रष्ट मंत्री और अधिकारी भ्रष्टाचार में कमीशन खाने के लिए हजारों करोड़ रुपए खर्च कर केवल बिल्डिंग बनाते हैं लेकिन डॉक्टर्स, स्वास्थ्य कर्मी, लैब टेक्नीशियन, ड्रेसर, असिस्टेंट इत्यादि की नियुक्ति नहीं करते। कमीशन के लिए हजारों करोड़ के स्वास्थ्य उपकरण खरीदते हैं लेकिन उन्हें चलाने के लिए टेक्नीशियन की बहाली नहीं करते। तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री मोदी की पूर्णिया यात्रा पर कहा कि उन्हें बिहार की अपनी 20 सालों और केंद्र की 11 वर्षों की डबल इंजन सरकार की बड़ी–बड़ी खामियां नहीं दिखेंगी? बिहार में 20 वर्षों की एनडीए सरकार के भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, गरीबी, एनडीए सरकार की विफलताओं, इलाज के नाम पर गरीबों से लूट, बदहाल शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था तथा डबल इंजन के डबल जंगलराज पर प्रवचन अवश्य देंगे। कल पूर्णिया के इस मेडिकल कॉलेज में जरूर जाइएगा और 2005 के बाद वाले मुख्यमंत्री को भी अवश्य लेकर जाइएगा, नहीं तो वो कहेंगे कि 2005 से पहले कुछ था जी?

यात्री बन्धुओं के लिए आवश्यक सूचना

1. रेलवे ट्रैक, स्टेशन एवं समपारों फाटकों के आस-पास भीड़ एकत्रित न करें, यह खतरनाक हो सकता है।
2. रेलगाड़ी के डिब्बों में स्टोव जलाना, आतिशबाजी का सामान, बारूद से बनी वस्तुएं, गैस सिलिण्डर, तेजाब, फिल्म, मिट्टी का तेल एवं पेट्रोल जैसे अन्य ज्वलनशील वस्तुओं को साथ लेकर यात्रा न करें। यह भारतीय रेल अधिनियम 1989 के अनुच्छेद 164 के अंतर्गत दण्डनीय अपराध है।
3. यात्री यदि इस प्रकार के ज्वलनशील एवं खतरनाक विस्फोटक वस्तुओं को गाड़ी एवं स्टेशन परिसर में देखें तो तुरन्त इसकी सूचना गार्ड/टीटीई, स्टेशन मास्टर या रेलवे पुलिस को दें।
4. स्टेशन पर एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म पर जाने के लिए पैदल उपरिगामी पुल का प्रयोग करें।
5. गाड़ी के छत एवं पायदान पर यात्रा न करें, यह जानलेवा एवं दण्डनीय है।
6. स्टेशन परिसर एवं गाड़ियों में स्वच्छता बनाए रखें।

पूर्वोत्तर रेलवे
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ
nerailwaygkp | www.ner.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय

साथ ही, अमेरिकी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली पर प्रतिकूल असर डाल सकते हैं, जो पहले ही ट्रंप के विघटनकारी फैसलों का शिकार है। ऐसे में अमेरिका को सस्ती दवाओं को एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि आगामी समझौते में उसके दवा क्षेत्र के लिये पर्याप्त सुरक्षा उपाय ...

ट्रंप के फैसले से दवा निर्माता असमंजस में

भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से लंबित व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिये नए सिरे से जारी बातचीत के बीच, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फार्मा उत्पादों पर टैरिफ लगाने की घोषणा की है। ट्रंप ने ब्रांडेड और पेटेंटेड दवा उत्पादों पर सौ फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की है, बशर्ते कि दवा निर्माता कंपनियां अमेरिका में उत्पादन सुविधाएं स्थापित न करें। आशंका है कि ट्रंप के इस कदम का प्रभाव भारत के फार्मा उद्योग पर पड़ सकता है, जिसने देश को 'दुनिया की फार्मेसी' के रूप में स्थापित किया है। दुनिया भर से अमेरिका को निर्यात किए जाने वाले तीस अरब डॉलर के फार्मा उत्पादों में से दस अरब डॉलर से अधिक का निर्यात भारत से होता है। भारत मुख्य रूप से अमेरिका को कम लागत वाली जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति करता है। यह अच्छी बात है कि ये जेनेरिक दवाइयां नई टैरिफ व्यवस्था के दायरे में नहीं आती हैं। हालांकि, अभी तक सक्रिय दवा सामग्री यानी एपीआई पर कोई स्पष्टता नहीं है। वैसे भारत से भारतीय ब्रांडेड दवाइयों का भी निर्यात होता है। व्यापार अनुसंधान एजेंसी ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव के अनुसार फॉर्मास्युटिकल क्षेत्र में भारत सबसे बड़ा निर्यातक है, लेकिन ये अधिकांशतः गैर-ब्रांडेड दवाइयां हैं। वैसे अमेरिका द्वारा भारतीय आयात पर पचास फीसदी टैरिफ लगाने पर भी आशंका जताई गई थी कि इससे जेनेरिक व ब्रांडेड दवाएं महंगी हो सकती हैं। उल्लेखनीय है कि अमेरिका में भारत की फार्मा कंपनियों की आय का बड़ा जरिया होने के कारण वे काफी कम मार्जिन पर काम करती हैं। ऐसे में यदि उन पर टैरिफ लगता है, तो उनका वहां कारोबार करना कठिन हो सकता है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका के दवा बाजार में बड़े ब्रांड वाली दवाइयों के सस्ते प्रारूप वाली जेनेरिक दवाइयों का आधे से अधिक हिस्से पर अधिकार है, जिससे अमेरिका की स्वास्थ्य सेवा लागत में अरबों रुपये की बचत होती है। एक अनुमान के अनुसार यह बचत एक साल में दो सौ डॉलर से अधिक की होती है। आशंका जतायी जा रही है कि यदि भारत व अमेरिका में व्यापार समझौता नहीं होता तो भी टैरिफ के कारण कुछ भारतीय जेनेरिक दवा कंपनियों को बाजार से बाहर होना पड़ सकता है। लेकिन यह स्थिति अमेरिका के लिये भी संकट बढ़ा सकती है। भारतीय जेनेरिक दवा कंपनियों की अनुपस्थिति में अमेरिका में पहले ही दवाओं की कमी का संकट और गहरा सकता है। लेकिन ट्रंप के फार्मा उद्योग पर सौ फीसदी टैरिफ लगाए जाने से भारतीय दवा उद्योग में निराशा जरूर व्याप्त हुई है। देश के बड़े दवा शेयरों में अचानक आई गिरावट इसका ही नतीजा है। अब चाहे यह गिरावट अल्पकालिक हो, लेकिन इसमें दोराय नहीं कि ट्रंप के अगले कदम को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। दवा उद्योग को आशंका है कि ट्रंप आने वाले दिनों में जेनेरिक दवाओं पर भी टैरिफ लगा सकते हैं, जबकि अमेरिकी प्रशासन को पता है कि ऐसे किसी प्रतिबंध से वहां स्वास्थ्य सेवाओं की लागत में इजाफा होगा। वहीं दूसरी ओर, गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों की इन दवाओं तक पहुंच सीमित हो जाएगी। निश्चित रूप से अमेरिका से चल रही बातचीत के दौरान भारत को इस मुद्दे को प्राथमिकता देनी चाहिए। हालांकि, अमेरिका को भी पता है कि ये निषेधात्मक टैरिफ खुद उसके लिये भी प्रतिकूल साबित हो सकते हैं। साथ ही, अमेरिकी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली पर प्रतिकूल असर डाल सकते हैं, जो पहले ही ट्रंप के विघटनकारी फैसलों का शिकार है। ऐसे में अमेरिका को सस्ती दवाओं को एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि आगामी समझौते में उसके दवा क्षेत्र के लिये पर्याप्त सुरक्षा उपाय सुनिश्चित हो। इसके साथ ही भारत को अपनी दवाओं के लिये नये बाजार तलाशने चाहिए। साथ ही, प्रमुख भारतीय दवा कंपनियों को जटिल जेनेरिक दवाओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, जो मुख्य रूप से ब्रांडेड श्रेणी में आती हैं। इससे दवा कंपनियों को उच्च मूल्य वाले बाजार में पहुंच बनाने में मदद मिल सकती है।

शक्तिपीठ मां पलटा देवी मंदिर : यहां माता के दर्शन मात्र से संवर जाता है श्रद्धालुओं का भाग्य

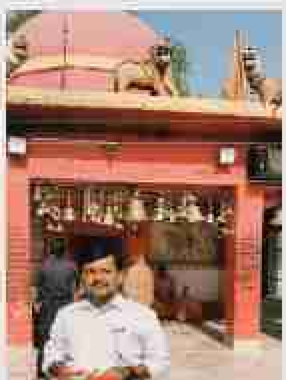

महाभारत काल से जुड़ा है इसका इतिहास

शक्ति की आराधना का महापर्व शारदीय नवरात्र का महत्व आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टि से अत्यंत उपयोगी है। नवरात्र का समय देवी भगवती की उपासना के माध्यम से आत्मिक शक्ति, मानसिक शांति का अवसर प्राप्त होता है। भगवती देवी दुर्गा, जो इच्छा, ज्ञान और क्रिया शक्ति की प्रतीक हैं। इन नौ दिनों में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की साधना और उपासना किया जाता है। हर दिन माता के एक अलग रूप की पूजा की जाती है, पंचमी तिथि को मां दुर्गा के पांचवें स्वरूप, मां स्कन्दमाता की पूजा का विधान है।

जनपद के प्रमुख मंदिरों में से मां पल्टा देवी मंदिर एक प्राचीन और प्रसिद्ध शक्तिपीठ है। शोहरतगढ़ तहसील क्षेत्र में स्थित शक्तिपीठ मां पल्टादेवी मंदिर का इतिहास द्वापर युग में महाभारत से जुड़ा हुआ है। यहां पर श्रद्धालुओं का भाग्य माता के दर्शन मात्र से संवर जाता है। सच्चे मन से की गई प्रार्थना का मनवांछित फल माता अपने भक्तों को देती हैं।

बताया जाता है की द्वापर युग में पांडव जुए में अपना राज पाट हारने के बाद 12 वर्षों का वनवास और एक वर्ष के अज्ञातवास के दौरान पांडव अपनी पत्नी द्रौपदी सहित इस स्थान पर आए। उस समय यह स्थान भयानक जंगल था। किवदंतियों के अनुसार जहां पर मां का स्थान है वहां पर युधिष्ठिर का पगड़ी रूपी मुकुट गिर गया था। उस वक्त राजाओं का मुकुट गिर जाना किसी बड़ी घटना का संकेत था। सभी भाईयों में सहदेव ज्योतिषी थे और वे अपने ज्योतिष ज्ञान से बताए कि यहां देवी का वास है। पांडवों ने यहां पर रात्रि में विश्राम किया तो स्वप्न में मां ने युधिष्ठिर को अज्ञातवास बिताने का दिशा निर्देश दिया और सुबह युधिष्ठिर ने यहां पर मां पल्टा देवी का पूजा पाठ किया। यह मनौती मांगी की यदि मेरा राज्य मुझे पलटकर मिल जाता है तो मैं यहां मंदिर की स्थापना करूंगा। उसके बाद पांडवों को अपना राजपाट मिल गया। तत्पश्चात युधिष्ठिर ने मां पल्टादेवी मंदिर की स्थापना की। मां पल्टादेवी बिगड़े भाग्य को पलटने वाली देवी कही जाती हैं। इसी वजह से इनका नाम मां पल्टादेवी पड़ा और उनके नाम से ही इस जगह को पल्टा देवी कहा जाने लगा।

प्रमोद त्रिपाठी / दैनिक बुद्ध का संदेश

बदले हालात के अनुरूप हो आपदा प्रबंधन

आखिर उन्हें लगता है कि अन्याय हुआ है, तो आवाज उठाने से उन्हें क्यों रोका जाए? यह सवाल पूरे उत्तराखंड में उठ रहा है कि असल चूक कहां हो रही है? इस पूरे जाल को कैसे ध्वस्त किया जा सकता है? युवाओं में शासन के प्रति विश्वास कायम रहना चाहिए। कुछ ताकतें स्थितियों को अराजकता की ओर ले जाने के लिए तत्पर रहती हैं। ऐसे में सावधानी बरतते हुए युवाओं को अपनी बात सक्षम तरीके से रखनी होगी...

जम्मू-कश्मीर, हिमाचल व उत्तराखंड में बादल फटने, अचानक बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं में बढ़ोतरी ने यह संकेत तो दे ही दिया है कि मौसमी बारिश से यह अनुमान नहीं लगाया जा सकता कि बादल फटने या अचानक बाढ़ की घटनाएं नहीं होंगी। आज समूचा हिमालयी क्षेत्र पारिस्थितिकीय संकट से जूझ रहा है। यह संकट अब केवल हिमाचल प्रदेश या उत्तराखंड तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि पूरे हिमालयी क्षेत्र को अपनी चपेट में ले चुका है। दरअसल, यह समस्या सिर्फ पर्यावरणीय असंतुलन तक सीमित नहीं है, बल्कि पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़ी गहरी और जटिल परिस्थितिजन्य चुनौतियां भी इसके मूल में हैं। जलवायु परिवर्तन, अनियंत्रित निर्माण, वनों की कटाई, खनन और जनसंख्या दबाव जैसे कारणों ने हिमालय की नाजुक पारिस्थितिकी को गंभीर खतरे में डाल दिया है। देश की सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि समूचा हिमालयी क्षेत्र एक बेहद गंभीर संकट के दौर से गुजर रहा है। यह टिप्पणी हिमाचल प्रदेश में आपदाओं से संबंधित मामले की सुनवाई के दौरान स्वतः संज्ञान लेते हुए कोर्ट ने की। सुनवाई के दौरान, न्यायालय की सहायता कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता के. परमेश्वर ने बताया कि राज्य सरकार की रिपोर्ट में पेड़ों की संख्या, ग्लेशियरों और खनन जैसे मुद्दों का उल्लेख तो किया गया है, लेकिन उनमें कोई ठोस या नई जानकारी नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में यह स्वीकार किया गया है कि ग्लेशियर सिकुड़ रहे हैं और इनकी क्षरण की गतिविधियां तेज हो रही हैं, लेकिन इसका विस्तृत विश्लेषण रिपोर्ट में शामिल नहीं है। केवल यह आश्वासन दिया गया है कि एक समिति इन विषयों की समीक्षा करेगी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 2018 से 2025 के बीच राज्य में बादल फटने से जन-धन की व्यापक क्षति हुई है। एक अन्य याचिका पर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा है कि हमने उत्तराखंड, हिमाचल और पंजाब में अभूतपूर्व बाढ़ और भूस्खलन देखा है। मीडिया में आये वीडियो का जिक्र करते हुए पीठ ने कहा कि बड़ी संख्या में हमने लकड़ी के गट्ठे पानी में बहते हुए देखे हैं। इससे तो ऐसा लगता है कि पहाड़ों पर बड़ी संख्या में पेड़ों की अवैध कटाई हुई है। हमने पंजाब की तस्वीरें भी देखी हैं। पूरे खेत और फसलें जलमग्न हैं। यह गंभीर मामला है। याचिका में हिमाचल, उत्तराखंड, पंजाब और जम्मू-कश्मीर में बाढ़, बादल फटने और भूस्खलन का मुद्दा उठाते हुए भविष्य के लिए कार्य योजना बनाने की मांग की गई। इसके लिए एसआईटी गठित की जाये जो पर्यावरण कानून एवं उसके दिशा-निर्देशों और सड़क निर्माण के मानकों के उल्लंघन की जांच करे, जिससे इन राज्यों में 2023-2024 और 2025 में ये आपदायें आईं। हिमालयी इलाका 13 राज्यों सहित केन्द्र शासित प्रदेशों में फैला हुआ है। मानसून के दौरान इनको अधिकाधिक प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ता है। ये अपनी जटिल बनावट, नाजुक हालात और लगातार बदलती जलवायु परिस्थितियों की वजह से विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं की वजह से आने वाली बाढ़ के प्रति काफी संवेदनशील होते हैं। ये आपदायें आबादी क्षेत्र, बुनियादी ढांचों और जैव विविधता के लिए गंभीर खतरा पैदा करती हैं। बीते दिनों देहरादून में सहस्त्र धारा जैसे मैदानी इलाकों तक को इसका प्रकोप झेलना पड़ा। जबकि अभी तक पहाड़ी इलाकों में ही बादल फटने और भूस्खलन जैसी घटनायें घटती रही हैं। निस्संदेह, मौसम में आ रहा बदलाव मानवता के समक्ष अब तक की सबसे बड़ी चुनौती है। आईसीजे तो काफी पहले इसकी चेतावनी दे चुका है। वहीं मानसून की अनिश्चितता ने देश में बारिश की तीव्रता को काफी हद तक बढ़ा दिया है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल व उत्तराखंड में बादल फटने, अचानक बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं में बढ़ोतरी ने यह संकेत तो दे ही दिया है कि मौसमी बारिश से यह अनुमान नहीं लगाया जा सकता कि बादल फटने या अचानक बाढ़ की घटनाएं नहीं होंगी। फिर अस्थिर ग्लेशियर और ग्लेशियर झीलों की बढ़ती तादाद से बाढ़ की विकरालता का खतरा दिनोंदिन लगातार बढ़ता जा रहा है। इसमें दो राय नहीं कि यह झीलें भूस्खलन, भूकंप, भारी वर्षा या हिमस्खलन के कारण अचानक विनाशकारी बाढ़ के लिए सबसे अधिक जिम्मेदार हैं। केन्द्र और राज्य सरकारों के पास समर्पित आपदा प्रबंधन प्राधिकरण होने के बावजूद इन आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम करने की कोई योजना नजर नहीं आती है। जाहिर है ऐसे हालात में इस अति संवेदनशील इलाके में ऐसे तंत्र विकसित किये जाने की जरूरत है जो एक साथ अतिवृष्टि, भूस्खलन, ग्लेशियरों के पिघलने, ग्लेशियर झीलों के टूटने, पर्माफ्रास्ट से होने वाले नुकसान पर अंकुश लगा सके।

मौजूदा दौर में उद्योग की दिशा परिवर्तन का वक्त

वैश्विक व्यवहार से सीखः एप्पल, माइक्रोसॉफ्ट, गूगल जोखिम भरे शोध में अरबों डॉलर झोंक देते हैं, कुछेक में मिली सफलता उनकी प्रमुखता सुनिश्चित कर देती है। अमेजॉन लॉजिस्टिक्स और क्लाउड में पुनर्निवेश कर रहा है। हुआवे और बीवाईडी दूरसंचार और मोबिलिटी में पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करने में लगे हैं। इस्राइल रक्षा...

ग्लोबल साउथ में आकार और प्रतिभा के मामले में कोई भी राष्ट्र नेतृत्व करने के लिए हमसे बेहतर स्थिति में नहीं है। मौजूदा वैश्विक स्थितियों का फायदा उठाकर नेतृत्वकारी भूमिका के लिए उद्योग के लिए देश के खुद के 4.0 यानी अन्वेषण, समावेश, निवेश, नवाचार वाले दिशा सूचक होने चाहिये। वहीं आत्मनिर्भरता जरूरी है। मूलभूत जरूरतों के लिए पराश्रित देश विश्व में स्वायत्तता का दावा नहीं कर सकता। दुनिया के बारे में अब पहले से कोई अनुमान नहीं लगा सकते हैं। यूरोप और पश्चिम एशिया में युद्ध खिंचते ही जा रहे। आपूर्ति शृंखला को हथियार बनाया जा रहा है – कंप्यूटर चिप्स से लेकर एपीआई और ऊर्जा तक। समझौतों से ज्यादा तेजी से टैरिफ की दीवारें खिंच रही हैं। डब्ल्यूटीओ निष्प्रभावी सा है। हमारे पड़ोसियों खाड़ी देश, पाकिस्तान, चीन इनसे जुड़े हमारे जोखिम बढ़ रहे हैं। इस मामले में भारत अकेला नहीं। अमेरिका अपने उद्योगों का संरक्षण टैरिफ और अब एच-1बी से कर रहा है। यूरोप आयात पर कार्बन-टैक्स लगा रहा है, अफ्रीकी मुल्क दूसरों पर निर्भरता से व आसियान देश सप्लाई चेन की कमजोरी से जूझ रहे हैं। हर मुल्क अपना बाजार दूसरों के माल से बचा रहा है। केवल वे देश जो अपनी आंतरिक लोच बना लेंगे, दूसरों को स्थिरता दे सकेंगे। आत्मनिर्भरता बतौर दिशासूचक – भारत के लिए अब केवल अस्तित्व काफी नहीं। आत्मनिर्भरता महज नारा न होकर एक मिशन है – मूल जरूरतों के लिए पराश्रित देश इस विभाजित विश्व में स्वायत्तता का दावा नहीं कर सकता। इसीलिए वित्त मंत्री का उद्योग जगत को आह्वान खास तात्कालिकता रखता है – निवेश करें और दिशा बदलें। विश्व स्तर पर उद्योग 4.0 स्मार्ट कारखाने, ऑटोमेशन और डिजिटल एकीकरण का लघु प्रारूप है। भारत के लिए इसका अर्थ कुछ गहरा चाहिए। उद्योग 4.0 हमारा अपना दिशासूचक है – अन्वेषण, समावेशन, निवेश, नवाचार। कक्षाओं में जिज्ञासु सवाल पूछने वाले बच्चे सृजनकार बनते हैं न कि नकल करने वाले। समावेशन वृहद प्रतिभाओं का द्वार खोलता है। निवेश को मुनाफे के बीज के रूप में लेना चाहिए, न कि खर्च के लिए नकदी के तौर पर। रॉयल्टी के भुगतान के बजाय अपना नवाचार अपना स्वामित्व बनाएं। यह पश्चिम का उद्योग 4.0 न होकर भारतीय संस्करण है, विवेक और स्केल पर आधारित, जिसका उद्देश्य दक्षता व बैसाखी रहित समावेशिता बनाना है। दुष्चक्र तोड़ना – मार्जिन मामूली होता है क्योंकि स्केल छोटा होता है, और स्केल इसलिए छोटा है कि क्रयशक्ति कम है। इसका हल है अधिक मार्जिन वाला वैश्विक बाजार, तुलनात्मक लाभ और अनुसंधान एवं विकास में पुनर्निवेश करने में। हमारा बहुचर्चित आईटी उद्योग अच्छी मिसाल है – एक उच्च लाभकारी बिजनेस जो ट्रांसलेशनल एआई मॉडल बनाने की बजाय नकद मुनाफे को तरजीह देता रहा है। परिणाम – सेवा क्षेत्र में अग्रणी, किंतु वैश्विक उत्पादों में नहीं। आईना – अक्सर हम माला को कीमत समझ बैठते हैं। हम स्केल का जश्न मनाते हैं न कि ठोस हकीकत का। भारत कारें असेंबल करता है, तथापि एक भी स्वदेशी 300–350 एचपी इंजन व्यावसायिक रूप से उपलब्ध नहीं। रेलवे आज भी विदेशी डिजाइंड डीजल इंजनों पर निर्भर है। रक्षा उत्पादन क्षेत्र बिजली संयंत्र विहीन है। रणनीति उधार ट्रांसमिशन चेन और हॉर्सपावर पर नहीं चल सकती। स्टैनफोर्ड अध्ययन में भारत को एआई जीवंतता में चौथा स्थान मिला है, गिट हब में इंजीनियरों की बाढ़ सी है, विमर्श सक्रिय है, कौशल प्रचुर है। लेकिन पेटेंट, निवेश, बुनियादी ढांचा और आधारभूत मॉडलों में हम पिछड़े हैं। एआई में योगदान तो करते हैं, लेकिन मालिक नहीं। प्लेटफॉर्म बिना जीवंतता दूजों पर निर्भरता है। हॉर्सपावर उधार की, कंप्यूटर चिप्स आयातित, एपीआई में विदेशी निर्भरता, दूरसंचार तंत्र पट्टे पर, बैटरियां खरीदी गयीं – इंजीनियरों का देश अभी भी रॉयल्टी चालित है। विकल्प स्पष्ट है – अपने खुद के उत्पादों के बिना आईटी सेवा आधारित आर्थिकी बने रहें या उधार के पुर्जों पर चलने वाला इंजीनियरिंग बेस या फिर अन्वेषण, नवाचार और स्वामित्व की दिशा में बदलाव। सफलता अपरिहार्य – यह केवल असफलता के बारे नहीं, जब कभी अन्वेषण, निवेश और संकल्प एक साथ आए हैं, तो भारत ने परिणाम दिए हैं। इसरो ने वैश्विक लागत के एक अंश जितने खर्च में मंगल और चंद्रमा पर अंतरिक्ष यान पहुंचा दिए। आधार, यूपीआई, कोविन बड़े पैमाने का डिजिटल समावेशन दर्शाते हैं। एपीआई पर निर्भरता के बावजूद, फार्मा कंपनियों ने भारत को दुनिया का विश्वसनीय जेनेरिक दवा सप्लायर बनाया दिया। फिनटेक, लॉजिस्टिक्स, एसएएएस में यूनिकॉर्न कंपनियों ने उद्यमशीलता की ललक साबित की। 6G का मिशन, हालांकि अभी नया है, और क्वांटम कम्प्यूटिंग पर काम जारी है। ये सफलताएं साबित करती हैं – जब-जब नीति, लाभ और शेयरधारक के मूल्य एक साथ आए, तब-तब भारत ने अच्छा प्रदर्शन किया। बदलाव की जरूरत केवल तकनीकी क्षेत्र को लेकर नहीं है, बल्कि मानसिक स्तर पर भी है। निर्भरता रणनीति नहीं रह सकती; नवाचार आवश्यक है। दिशा बदलने का मौका – उद्योग मूकदर्शक बना नहीं रह सकता। उसे महज एक यात्री की बजाय सहयात्री होना पड़ेगा। सरकारी मदद जोखिम कम कर सकती है, लेकिन जोखिम केवल उद्योग ही उठा सकता है। शेयरधारक खुद को महज तिमाही लाभ पाने वाला नहीं बल्कि 25 साल वाला भागीदार समझें। मुनाफे का हर रुपया कोई अंत न होकर वरन वैश्विक मौजूदगी का पासपोर्ट है। अगर कंपनियों का लक्ष्य सिर्फ खुद कायम रहने का है, तब देश का तुलनात्मक लाभ, स्केल, प्रतिभा और भूगोल कोई मायने नहीं रखता। वे नेतृत्व करने, सरकार संग सह-निवेश करने व विदेश में झंडा बुलंद करने का लक्ष्य रखें।

इंडिया बनाम ऑस्ट्रेलिया टीम इंडिया का ऐलान, श्रेयस अय्यर को कप्तानी की कमान

बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ खेली जाने वाली वनडे सीरीज के लिए इंडिया ए टीम का ऐलान कर दिया है। साथ ही ईरानी कप के लिए रेस्ट ऑफ इंडिया टीम की भी घोषणा की गई।

इसके अलावा मिडिल ऑर्डर बैटर श्रेयस अय्यर को इंडिया-ए टीम का कप्तान बनाया गया है। वहीं बोर्ड ने उनके रेड बॉल क्रिकेट से लंबे ब्रेक पर भी अपडेट दिया। बीसीसीआई ने बताया कि श्रेयस अगले 6 महीने रेड बॉल क्रिकेट से दूर रहेंगे और सिर्फ व्हाइट बॉल क्रिकेट पर फोकस करेंगे।

दरअसल, बीसीसीआई ने एक्स पर ट्वीट करके ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए इंडिया ए टीम और ईरानी कप के लिए रेस्ट ऑफ इंडियाटीम का ऐलान किया। बता दें कि, इंडिया ए टीम अपने मैच 30 सितंबर से कानपुर में खेलेगी, जबकि ईरानी कप रणजी ट्रॉफी 2024-25 के चैंपियन विदर्भ और रेस्ट ऑफ इंडिया के बीच 1 अक्तूबर से नागपुर में मैच खेला जाएगा। इंडिया ए टीम की कप्तानी श्रेयस अय्यर के पास है जबकि रेस्ट ऑफ इंडिया के लिए रजत पाटीदार को कप्तान बनाया गया है।

ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ वनडे के लिए भारतीय टीम

पहला वनडे- श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रभसिमरन सिंह, रियान पराग, आयुष बडोनी, सूर्यांश शेडगे, विप्रज निगम, निशांत सिंधु, गुरजपनीत सिंह, युधवीर सिंह, रवि बिश्नोई, अभिषेक पोरेल, प्रियांश आर्या, सिमरजीत सिंह।

दूसरा और तीसरा वनडे- श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, अभिषेक शर्मा, प्रभसिमरन सिंह, रियान पराग, आयुष बडोनी, सूर्यांश शेडगे, विप्रज निगम, निशांत सिंधु, गुरजपनीत सिंह, युधवीर सिंह, रवि बिश्नोई, अभिषेक पोरेल, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह।

रेस्ट ऑफ इंडिया (ईरानी कप) टीम

रजत पाटीदार (कप्तान), ऋतुराज गायकवाड़, अभिमन्यु ईश्वरन, आर्यन जुयाल, यश धुल, शेख रशीद, ईशान किशन

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कमबैक को तैयार रोहित शर्मा, 10 किग्रा वजन घटाकर किया सबको हैरान

रोहित शर्मा एक बार फिर चर्चा में हैं। 37 वर्षीय रोहित ऑस्ट्रेलिया

चर्चा में हैं। 37 वर्षीय रोहित ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज से वापसी की तैयारी में जुटे हैं। जिसके लिए उन्होंने अपनी फिटनेस में बड़ा बदलाव किया है। उन्होंने ट्रेनिंग के दौरान करीब 10 किलो वजन कम किया। भारत के वनडे कप्तान रोहित शर्मा एक बार फिर चर्चा के खिलाफ वनडे सीरीज से वापसी की तैयारी में जुटे हैं। जिसके लिए उन्होंने अपनी फिटनेस में बड़ा बदलाव किया है। उन्होंने ट्रेनिंग के दौरान करीब 10 किलो वजन कम किया।

उनके करीबी दोस्त और भारत के पूर्व बल्लेबाजी कोच अभिषेक नायर ने मुंबई में रोहित की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की है। जिसे देखकर हर कोई हैरान रह गया। दरअसल, रोहित शर्मा को लेकर अभिषेक नायर ने एक स्टोरी शेयर की, जिसमें उन्होंने लिखा कि, 10,000 ग्राम यानी 10 किलो कम करने के बाद भी हम मेहनत जारी रखते हैं। ये पोस्ट तेजी से वायरल हो गया और फैंस और साथी खिलाड़ी उनकी फिटनेस की तारीफ कर रहे हैं। रोहित आईपीएल 2025 के बाद से इंटरनेशनल क्रिकेट से दूर हैं। अब वह जिम में कमबैक के लिए जमकर पसीना बहा रहे हैं। नायर की देखरेख में उन्होंने ट्रेनिंग की और नया लुक हासिल किया है। रोहित ने आखिरी बार मार्च में भारत के लिए खेले थे जब उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में बेहतरीन प्रदर्शन कर प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतकर टीम को खिताब दिलाया था। तनुष कोटियन, मानव सुथार, गुर्नूर बरार, खलील अहमद, आकाश दीप, अंशुल कंबोज, सारांश जैन।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान, करुण नायर को नहीं मिली जगह

भारत-वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज के लिए बीसीसीआई ने टीम इंडिया की टेस्ट टीम का ऐलान कर दिया है। इस सीरीज का पहला मैच 2 अक्टूबर से खेला जाना है। वहीं दूसरा टेस्ट 10 अक्टूबर को होना है। वहीं इस सीरीज के लिए टीम इंडिया में कई बदलाव हुए हैं।

अगले महीने से शुरू होने वाली भारत-वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज के लिए बीसीसीआई ने टीम इंडिया की टेस्ट टीम का ऐलान कर दिया है। इस सीरीज का पहला मैच 2 अक्टूबर से खेला जाना है। वहीं दूसरा टेस्ट 10 अक्टूबर को होना है। वहीं इस सीरीज के लिए टीम इंडिया में कई बदलाव हुए हैं।

जहां टीम की कमान शुभमन गिल को सौंपी गई है वहीं रवींद्र जडेजा को टीम का उपकप्तान बनाया गया है। सीरीज के लिए अक्षर पटेल की वापसी हुई है जो इंग्लैंड टूर से बाहर थे। वहीं करुण नायर का पत्ता कट गया है। इसके अलावा श्रेयस अय्यर को इस सीरीज के लिए सेलेक्ट नहीं किया गया है।

क्योंकि उन्होंने बीसीसीआई से 6 महीने का रेड बॉल क्रिकेट से लंबा ब्रेक लिया है।

अजीत अगरकर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया से करुण नायर और शार्दुल ठाकुर को ड्रॉप किया है। बता दें कि, ये दोनों खिलाड़ी टीम में शामिल थे। अभिमन्यु ईश्वरन को भी टीम में शामिल नहीं किया गया।

इस दौरान अजीत अगरकर ने बताया कि ऑलराउंडर अक्षर पटेल और टॉप ऑर्डर बैटर देवदत्त पडिक्कल की वापसी हुई है। अक्षर ने आखिरी टेस्ट भारत के लिए 2024 फरवरी में खेला था, जबकि पडिक्कल ने 2024 नवंबर के महीने में टीम के लिए आखिरी टेस्ट मैच खेला था। वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया

शुभमन गिल (कप्तान), रवींद्र जडेजा (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, नितीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, नारायण जगदीशन।

एशिया कप 2025: भारतीय टीम को इस बड़ी कमजोरी को सुधारना होगा, फाइनल में हो सकती है मुश्किल

भारत ने बांग्लादेश को 41 रनों से हराकर एशिया कप 2025

के फाइनल में एंट्री कर ली है। लेकिन टीम इंडिया की फील्डिंग फिर सवालों के घेरे में है। दरअसल, भारत ने इस मैच में कुल 5 कैच छोड़े, जिससे पूरे टूर्नामेंट में उन्होंने अपने नाम एक अनचाहा रिकॉर्ड दर्ज करा लिया। अब तक टीम इंडिया ने टूर्नामेंट में कुल 12 कैच ड्रॉप किए हैं। ये किसी भी टीम का अब तक का सबसे खराब रिकॉर्ड है। वहीं भारत और बांग्लादेश के बीच खेले गए एशिया कप सुपर-4 के इस मैच में एक रिकॉर्ड ऐसा भी बना, जहां मैच में कुल भारत ने 5 कैच ड्रॉप किए। वहीं बांग्लादेश के बल्लेबाज सैफ हसन के चार कैच एक ही पारी में छूटे। ऐसा टी20 आई में बहुत कम देखने को मिलता है। इससे पहले ये जेसन रॉय, मोम्मद हफीज और पथुम निसंका के साथ देखा गया था।

यूएस ने कड़े किए नियम तो चीन ने खोले दरवाजे, ट्रंप के 88 लाख वाले वीजा से बेहतर है जिनपिंग का K-Visa ?

डोनाल्ड ट्रंप की मेक अमेरिका ग्रेट अगेन (मागा) नीति में एक बड़ा मुद्दा एच1बी वीजा हमेशा से रहा है। वो वीजा जो हर साल 85 हजार विदेशियों को अमेरिका में स्किल्स के आधार पर काम करने की इजाजत देता है। लेकिन ट्रंप को ये वीजा बिल्कुल पसंद नहीं है। अपने राजनीतिक इतिहास में ट्रंप इस वीजा का विरोध करते आए हैं क्योंकि उनका मानना है कि ये वीजा अमेरिकियों की नौकरी खा रहा है। इसी कड़ी में ट्रंप ने एच1बी वीजा की कीमत अचानक 1 लाख डॉलर कर दी। भारतीय रुपए के हिसाब से 88 लाख रुपए। अमेरिका में आईटी सेक्टर में काम करने का सपना रखने वाले भारतीयों के लिए अब ये वीजा मुसीबत बन गया है। इसी मौके का फायदा चीन उठा रहा है। चीन 1 अक्टूबर से के वीजा शुरू कर रहा है। जिसे दुनियाभर के प्रोफेशनल्स को चीन जाकर काम करने का मौका मिलेगा। क्या है के वीजा, अमेरिका के एच1बी वीजा से कैसे अलग है। इसके लिए अप्लाई कैसे करना होगा तमाम सवालों के जवाब आपको बताते हैं।

एच1बी पर ट्रंप ने क्या नया फैसला लिया है: ट्रम्प प्रशासन ने एच-1बी वीसा चयन प्रक्रिया में बड़ा बदलाव प्रस्तावित किया है। अब वीजा पाने का मौका केवल लॉटरी पर नहीं होगा। चयन उम्मीदवार के कौशल स्तर और नौकरी में मिलने वाले वेतन पर निर्भर करेगा। नए नियम के तहत सभी उम्मीदवारों को श्रम विभाग की रिपोर्ट के आधार पर चार वेतन श्रेणियों में रखा जाएगा। सबसे ऊंची श्रेणी वाले जिन्हें लगभग -1,62,500 (करीब 1.44 करोड़ रुपए) सालाना वेतन मिलता है, वे लॉटरी में चार बार शामिल होंगे। सबसे निचली श्रेणी वाले सिर्फ एक बार शामिल होंगे। इसका मकसद है कि अधिक कुशल और ज्यादा वेतन पाने वाले कर्मचारियों को प्राथमिकता मिले। सरकार ने 22 सितंबर से नए एच-1बी आवेदन पर -100, 000 (करीब 88 लाख) फीस की है।

क्या है के वीजा टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, यह वीजा साइंस, टैक्नोलॉजी, इंजिनियरिंग और मैथमेटिक्स क्षेत्रों के ग्रेजुएट्स और शुरुआती स्तर के शोधकर्ताओं को लक्षित करता है। इसकी खासियत यह है कि इसके लिए स्थानीय नियोक्ता की जरूरत नहीं होगी। धारक सीधे रिसर्च, शिक्षा, स्टार्टअप और बिजनेस गतिविधियों में हिस्सा ले सकते हैं। यह लचीलापन चीन को वैश्विक टैलेंट आकर्षित करने का नया हथियार बना सकता है। चीन के-वीजा के माध्यम से दुनियाभर दुनियाभर के टैलेंट को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका जहां वीजा पॉलिसी सख्त कर रहा है, वहीं चीन युवा वैज्ञानिकों और तकनीकी पेशेवरों को खुला आमंत्रण दे रहा है।

जॉब ऑफर जरूरी नहीं, ज्यादा स्टे कर सकेंगे: के-वीजा के लिए कंपनी से जॉब ऑफर की अनिवार्यता नहीं रखी गई है। इस वीसा से चीन में जाकर जॉब सर्च कर सकते हैं। ये वीसा मल्टीपल एंट्री और 10 साल की विस्तारित अवधि तक चीन में रहने की सुविधा देगा। स्टेम सब्जेक्ट यानी साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और मैथेमैटिक्स में पास आउट को इस वीसा में वरीयता दी जाएगी। यंग टैलेंट यानी 45 साल तक के प्रोफेशनल्स को इस कैटेगरी में वीसा जारी करने का लक्ष्य है।

के वीसा से क्या बदलाव होगा : अमेरिका में एच-1 बी फीस वृद्धि के बाद भारत के एंट्री-मिड लेवल के प्रोफेशनल्स चीन का रुख कर सकते हैं। अब एच-1 बी के लिए फीस चुकाने को कुछ अमेरिकी कंपनियां ही आगे आएंगी। ये वीसा कैसे अलग है एच-1 बी से इसका सबसे बड़ा अंतर है कि इसे पाने के लिए किसी भी कंपनी या यूनिवर्सिटी से जॉब ऑफर जरूरी नहीं है। एच1बी वीजा पर नई शर्त के कारण अमेरिका में पढ़ाई करने वाले भारतीय छात्रों की संख्या में बेशक कमी होगी लेकिन भारत समेत दूसरे कई देशों में छात्रों के पास अवसरों की कमी नहीं होगी। विशेषज्ञों का कहना है कि क्यू एस रैंकिंग में 54 भारतीय संस्थान अपनी जगह बना चुके हैं। इसके अलावा इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर समेत कई देशों की यूनिवर्सिटीज क्यू एस रैंकिंग में अच्छे पायदान पर हैं।

मैं तालिबानी हूं..America में बैठकर भारत पर झूठ बोलते रहे युनूस, लगाए कई गंभीर इल्जाम

युनूस इतने पर ही नहीं रुके। युनूस ने इशारों-इशारों में बहुत सारी झूठी खबरें फैलाने का आरोप लगाया। युनूस ने ये भी कहा कि हर तरह का प्रोपेगेंडा फैलाया जा रहा है, ये सब बहुत बुरा है। अमेरिका में बैठकर युनूस ने भारत के खिलाफ

जमकर जहर उगला। युनूस ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री जिन्होंने ये सारी समस्याएं खड़ी की और कई युवाओं की जान ली और इसने भारत और बांग्लादेश के बीच काफी तनाव पैदा कर दिया।

भारत के परमाणु बम जखीरे की बढ़ी रफ्तार, चीन-पाक हैरान, इस्लामाबाद-बीजिंग सब बस एक बटन की दूरी पर

एशिया में परमाणु ताकत की जंग एक नए मोड़ पर है। भारत ने ऐसी मिसाइलें बना ली है जो चीन और पाकिस्तान के किसी भी कोने में परमाणु बम गिरा सकती है। अग्नि-5 का हालिया टेस्ट और उसका एडवांस्ड एमआईआरवी वर्जन अब सिर्फ हथियार नहीं बल्कि एक रणनीतिक संदेश है कि भारत अब किसी से पीछे नहीं है। भारत, चीन और पाकिस्तान ये तीनों पड़ोसी देश दुनिया के सबसे खतरनाक परमाणु शस्त्रागार में गिने जाते हैं। चीन के पास करीब 600 परमाणु वारहेड है। पाकिस्तान के पास 170 है और भारत ने हाल ही में अपनी संख्या बढ़ाकर 180 वारहेड की कर ली है। तीनों के पास लंबी दूरी की मिसाइलें हैं। लेकिन फर्क ये है कि भारत और चीन के पास जमीन, आसमान और समुद्र तीनों रास्तों से परमाणु हथियार दागने की क्षमता है। जबकि पाकिस्तान के पास अभी भी समुद्र आधारित लॉन्च की सुविधा नहीं है। यानी जंग की स्थिति में भारत और चीन परमाणु त्रिकोण पूरा कर सकते हैं। वैसे इंडो पैसेफिक डिफेंस फोरम के मुताबिक भारत ने अगस्त 2025 में ओडिशा के प्रक्षेपण स्थल से अपनी सबसे खतरनाक बैलेस्टिक मिसाइल अग्नि-5 का सफल प्रशिक्षण किया। ये तीन चरणों वाली इंटरमिडियेट मिसाइल सिस्टम है। इसकी मारक क्षमता पांच हजार किलोमीटर से ज्यादा है। ये आसानी से चीन पाकिस्तान

और एशिया के बड़े हिस्सों को टारगेट कर सकती है। यानी दिल्ली से बीजींग या शंघाई सब एक बटन की दूरी पर है। लेकिन असली गेम चेंजर इसका एमआईआरवी वैरियेंट है। इस तकनीक से एक ही मिसाइल कई अलग अलग वारहेड लेकर जाती है और दुश्मन के कई ठिकानों को एक साथ तबाह कर सकता है। साल 2024 में भारत ने इसका सफल ट्रायल किया और दुनिया को साफ संदेश दिया कि हम सिर्फ रेंज नहीं सटीकता और मल्टी टारगेट स्ट्राइक में भी आगे बढ़ चुके हैं। अब 25 सितंबर को भारत ने अग्नि-प्राइम जो एक उन्नत मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल का रेल-आधारित मोबाइल लॉन्चर सिस्टम से सफलतापूर्वक परीक्षण किया। सरल शब्दों में कहें तो, भारत ने इस मिसाइल का परीक्षण एक ट्रेन से किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस अभ्यास को अपनी तरह का पहला अभ्यास बताते हुए इस उपलब्धि के लिए राष्ट्र और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के वैज्ञानिकों को बधाई दी। रेल-आधारित प्रक्षेपण का महत्व अग्नि-प्राइम का रेलकार से प्रक्षेपण महत्वपूर्ण है। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह इस तकनीक के उपयोगकर्ता को देश भर में गतिशीलता प्रदान करता है और कम दृश्यता के साथ कम प्रतिक्रिया समय में प्रक्षेपण करने में सक्षम बनाता है। कल्पना कीजिए। वर्तमान में अग्नि-प्राइम जैसी अधिकांश उन्नत मिसाइलें बड़ी होती हैं और उन्हें ले जाना आसान नहीं होता। इसी कारण, इन्हें पारंपरिक रूप से स्थिर मिसाइल साइलो से प्रक्षेपित किया जाता है। हालांकि, कुछ मिसाइलों को अब वाहनों पर लगाया जा रहा है, लेकिन बहुत कम देश इन्हें ट्रेनों पर लगा पाए हैं। रक्षा विशेषज्ञों का मानना रहै कि मिसाइलों को स्थिर साइलो में रखने से उन पर हमले का खतरा कम होता है। इसलिए, उन्हें गतिशील वस्तुओं पर स्थानांतरित करने से उन पर पूर्व-आक्रमण का खतरा कम हो जाता है।

मिशन शक्ति 5,0 के बारे मे प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार दुबे ने दिया विस्तृत जानकारी

बस्ती। रुधौली प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार,महिला सुरक्षा केंद्र/मिशन शक्ति प्रभारी उ॰नि॰ सरोज माला की मौजूदगी में कस्तूरबा

गांधी बालिका आवासीय विद्यालय के प्रधानाध्यापिका व अध्यापिका तथा बालिकाओं ने प्रदेश में चल रहे मिशन शक्ति 5.0 के बारे में प्रभारी निरीक्षक से विस्तृत जानकारी के लिए थाना रुधौली पर आए और थाने पर बने महिला सुरक्षा केंद्र को देखा गया। हेल्पलाइन नंबर,साइबर हेल्पलाइन नंबर आदि के बारे समझा गया। मिशन शक्ति 5.0 का उद्देश्य,जागरूकता कार्यक्रम, एंटी रोमियो स्क्वायड, महिला सुरक्षा केंद्र और इसके प्रभाव को अच्छे से समझाया गया व पंपलेट को वितरण किया गया। आगंतुकों द्वारा इस अभियान की तारीफ किया गया तथा इस अभियान को प्रत्येक महिला और घर-घर पहुंचने का संकल्प लिया गया। इस कार्यक्रम में प्र॰नि॰ विजय कुमार दुबे,उ॰नि॰ सरोज माला, महिला कांस्टेबल सपना यादव, महिला का॰ अंजू राजभर, महिला कांस्टेबल मनभावती, व विद्यालय के रेनू शुक्ल वार्डन, मनीषा चौबे अध्यापिका मौजूद रहे।

अनुराग कश्यप की निशानची में दिखेगा ऐश्वर्य ठाकरे का डबल टैलेंट, रिलीज हुआ गाना पिजन कबूतर

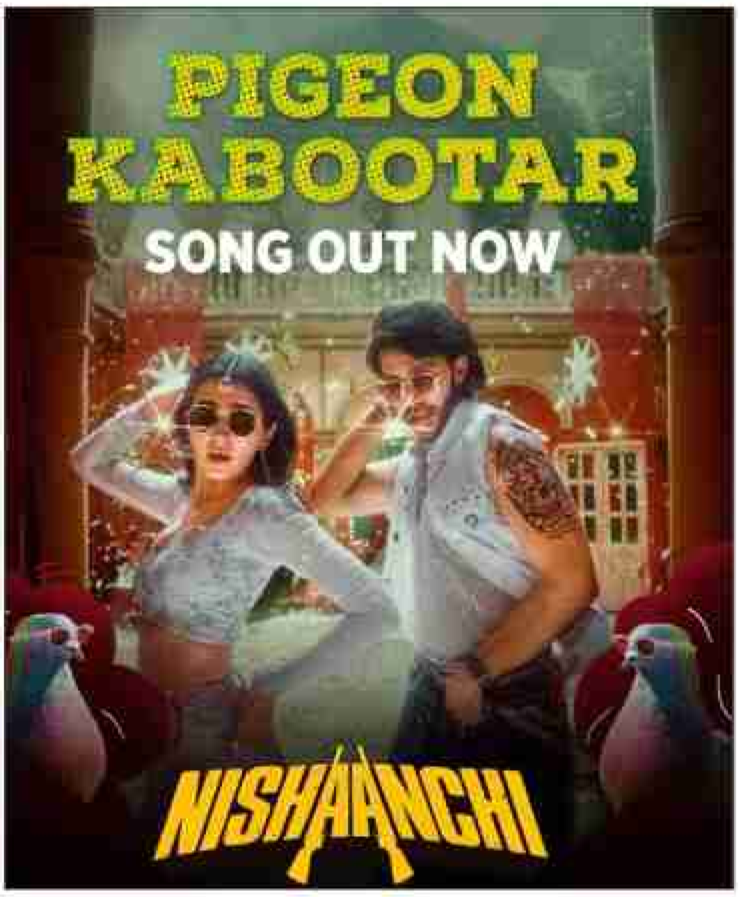

अमेजन एमजीएम स्टूडियोज इंडिया की आने वाली फिल्म निशानची के साउंडट्रैक से एक और जबरदस्त पिजन कबूतर रिलीज हो गया है। जी म्यूजिक कंपनी ने इस आफबीट और वेहद कैची ट्रैक का म्यूजिक वीडियो रिलीज कर दिया है। बता दें कि इस गाने को जहां भूपेश सिंह ने गाया है, वहीं इसे कंपोज करने से लेकर बोल लिखने तक का काम ऐश्वर्य ठाकरे ने किया है, जो फिल्म में बतौर लीड एक्टर डबल रोल में नजर आने वाले हैं।

ऐश्वर्य ठाकरे इस आफबीट लिरिक्स, मस्ती भरे हिंग्लिश फ्लो और धमाकेदार एनर्जी से भरपूर इस गाने संग अपना म्यूजिकल डेब्यू कर रहे हैं। यह गाना फिल्म में बेबाक और अनोखी दुनिया को बिल्कुल खूबसूरती से दिखाता है। गाने का हुक लाइन पिजन कबूतर महुवा, उड़न फ्लाई, लुक देखो आसमान इस्काई पहले से ही लोगों की जुबान पर चढ़ गया है। गाना पिजन कबूतर तेजी से एक जबरदस्त ईयरवर्म यानी सभी का पसंदीदा बनने की ओर है।

इस गाने का म्यूजिक वीडियो अब लाइव है, जो अपनी रंगीन विजुअल्स, अनोखी कोरियोग्राफी और ऐश्वर्य के डबल–रोल वाले अंदाज से गाने की एनर्जी में जान फूंकता है। कहना होगा कि मजेदार, चमकदार और पूरी तरह से फिल्मी टच लिए ये वीडियो निशानची की दुनिया में और ज्यादा पागलपन भर देता है और गाने की कैची अपील को और बढ़ा देता है।

ऐश्वर्य ठाकरे ने अपनी फिल्म निशानची के गाने बनाने के अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा, जब से मैंने एक्टिंग शुरू की, मेरा सपना था कि मेरी पहली फिल्म में मेरा बनाया हुआ गाना भी हो। उन्होंने आगे कहा, शूटिंग पूरी होने के बाद, मैं अनुराग सर के साथ एल्बम के एक खास गाने को शेयर करने के लिए बेसब्र था, और एक रात, सुबह के 3 बजे, मुझे नींद नहीं आ रही थी। मैं उठा, अपना कीबोर्ड और गिटार लिया और कहानी के चुलबुले और शैतानी एनर्जी को कैद करने के लिए आइडिया रिकार्ड करने लगा। सुबह तक, मैंने पूरा गाना रिकार्ड कर लिया था और उन्हें भेज दिया था। उन्होंने पाँच दिल वाले इमोजी के साथ जवाब दिया और कहा, यह मेरा पसंदीदा गाना है। इसे पूरा करो और मुझे भेजो। भूपेश सर ने गाने के बोल रिकार्ड किए, और जब अनुराग सर ने इसे सुना, तो उन्होंने बस इतना कहा, यह फिल्म में है। अपनी पहली फिल्म के लिए एक गाने को कंपोज करने और लिखने का सपना पूरा होना मेरे लिए खास था। सिंगर भूपेश सिंह ने कहा, गाना पिजन कबूतर गाने में बहुत मजा आया, इसे रिकार्ड करते समय मेरे चेहरे पर तुरंत मुस्कान आ गई। ऐश्वर्य के अनोखे बोल और चुलबुले संगीत ने मुझे अपनी आवाज के साथ एक नए तरीके से प्रयोग करने का मौका दिया, और यह गाना निशानची की दुनिया में बहुत अच्छे से फिट बैठता है। उन्होंने आगे कहा,अपने दोस्त अनुराग के साथ काम करना हमेशा खास होता है, वह हर बार कुछ नया लेकर आते हैं। मुझे खुशी है कि यह गाना पहले ही लोगों से जुड़ रहा है और फिल्म के आफबीट, फिल्मी आकर्षण को और बढ़ा रहा है। निशानची दो भाइयों की उलझी हुई कहानी को दिखाती है, जो बिल्कुल अलग रास्तों पर हैं और उनके फैसले उनकी किस्मत तय करते हैं। फिल्म में वेदिका पिंटो, मोनिका पनवार, मोहम्मद जीशान अय्यूब और कुमुद मिश्रा जैसे कलाकार हैं, जो कहानी में गहराई लाते हैं। गांव की पृष्ठभूमि में सेट यह फिल्म रा, एनर्जेटिक और देसी फ्लेवर से भरी हुई है, जो सिनेमाघरों के अनुभव किए जाने के लिए एकदम तैयार है। अजय राय और रंजन सिंह के प्रोडक्शन हाउस जार पिक्चर्स के बैनर तले बनी यह फिल्म, फ्लिप फिल्म्स के साथ एसोसिएशन में बनाई गई है। फिल्म को प्रसून मिश्रा, रंजन चंदेल और अनुराग कश्यप ने मिलकर लिखा है। एक्शन, ह्यूमर और ड्रामा से भरपूर यह मसाला एंटरटेनर 19 सितंबर 2025 को पूरे भारत के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

शाहिद कपूर की फिल्म ओ रोमियो का सामने आया फर्स्ट लुक, 14 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

शाहिद कपूर जल्द ही निर्देशक विशाल भारद्वाज की आगामी फिल्म ओ रोमियो में नजर आएंगे। इस फिल्म का पहला लुक खुद शाहिद ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया और साथ ही इसकी रिलीज डेट से भी पर्दा उठा दिया है। जानिए इस फिल्म में किसके साथ जमेगी शाहिद की जोड़ी। शाहिद कपूर ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर साझा किया, जिसमें शाहिद काउबाय हैट पहने हुए हैं और अपना चेहरा छिपाते नजर आ रहे हैं। यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसमें नाना पाटेकर भी महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। इस फिल्म का निर्माण साजिद नाडियाडवाला ने किया है। फिल्म ओ रोमियो 14 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में बालीवुड अभिनेता शाहिद कपूर और अभिनेत्री तृप्ति डिमरी नजर आएंगे। यह फिल्म शाहिद और निर्देशक विशाल भारद्वाज की चौथी साझेदारी है, जिन्होंने पहले कमीने, हैदर और रंगून जैसी फिल्में बनाई हैं। शाहिद और विशाल की जोड़ी ने सबसे पहले फिल्म कमीने में एक साथ काम किया। इस फिल्म में शाहिद ने दो अलग–अलग किरदार निभाए। हैदर में उन्होंने कश्मीर की पृष्ठभूमि पर एक पीड़ित युवक की भूमिका निभाई, जिसे बहुत सराहना मिली। विशाल की फिल्में गहरी कहानियों, जटिल किरदारों और भावनात्मक गहराई के लिए जानी जाती हैं।

फिल्म तू मेरी मैं तेरा... की नई रिलीज डेट का हुआ एलान, कार्तिक–अनन्या ने फैंस को दी जानकारी

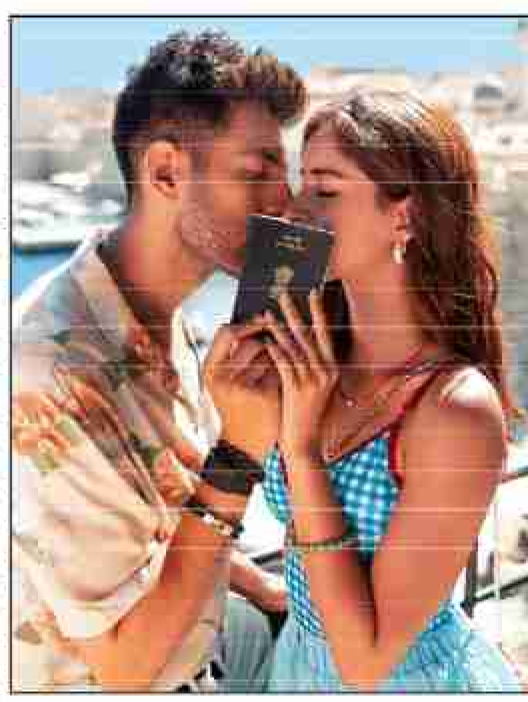

इस साल का आखिरी दिन मूवी लवर्स के लिए खास रहने वाला है। वजह है कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे की मच अवेटेड फिल्म तू मेरी मैं तेरा... जिसकी रिलीज डेट अब प्रीपोन हो गई है। जहां पहले फिल्म 13 फरवरी 2026 यानी वेलेंटाइन डे पर आने वाली थी, लेकिन अब मेकर्स ने इसे 31 दिसंबर 2025 को रिलीज करने का फैसला किया है। यानी इस फिल्म को नए साल के मौके पर रिलीज किया जाएगा। कार्तिक और अनन्या ने फैंस के साथ पोस्ट शेयर करते हुए इस बात की जानकारी दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर फिल्म की नई रिलीज डेट की घोषणा करते हुए एक पोस्ट शेयर किया। उन्होंने लिखा कि साल का आखिरी दिन हमारे साथ बिताइए, क्योंकि हमारी फिल्म नए साल से ठीक पहले सिनेमाघरों में आ रही है। साल खत्म होगा लेकिन प्यार की नई शुरुआत होगी। इस पोस्ट के साथ उन्होंने फिल्म की रैप पार्टी की एक तस्वीर भी शेयर की, जिसमें वह और अनन्या पांडे साथ नजर आ रहे हैं। इस फिल्म की शूटिंग कई खूबसूरत जगहों पर हुई है। एक ओर यूरोप का लोकप्रिय टूरिस्ट डेस्टिनेशन क्रोएशिया, वहीं दूसरी ओर भारत का ऐतिहासिक और रंगीन राज्य राजस्थान– दोनों जगहों की झलक दर्शकों को इस फिल्म में देखने को मिलेगी। ट्रेलर और तस्वीरों से अंदाजा लगाया जा रहा है कि कहानी में रोमांस, कामेडी और इमोशन का मिश्रण देखने को मिलेगा। कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे की जोड़ी इससे पहले फिल्म पति पत्नी और वो में नजर आई थी। उस वक्त भी दर्शकों ने इस फ्रेश पेयरिंग को खूब पसंद किया था। अब यह दोनों फिर से एक साथ स्क्रीन शेयर करने जा रहे हैं। फिल्म में कार्तिक–अनन्या की जोड़ी के अलावा दिग्गज कलाकार भी शामिल हैं। जैकी श्राफ और नीना गुप्ता अहम किरदारों में नजर आएंगे। फिल्म के निर्देशक समीर विद्वांस हैं। यह फिल्म धर्मा प्रोडक्शंस और नमह पिक्चर्स के बैनर तले बन रही है।

सूर्या 46 में प्रतिभाशाली अभिनेत्री भवानी श्रे की एंट्री

सूर्या46 में भवानी श्रे मुख्य भूमिका में हैं। सूर्या अपनी बहुमुखी और प्रभावशाली अदाकारी के लिए जाने जाते हैं और सूर्या46 फिल्म प्रेमियों के बीच जबरदस्त दिलचस्पी पैदा कर रही है। यह फिल्म सूर्या की पहली तेलुगु फिल्म है और इसे तेलुगु और तमिल

में एक साथ शूट किया गया है। वेंकी अटलुरी इस परियोजना का निर्देशन कर रहे हैं और यह तेजी से आगे बढ़ रही है।

यह ज्ञात है कि मलयाली सुंदरी ममिथा बैजू फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। अब, खबरें आ रही हैं कि प्रतिभाशाली कालीवुड अभिनेत्री भवानी श्रे को एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए चुना गया है।

भवानी श्री, जी. वेंकटेश और पार्श्व गायिका ए. आर. रेहाना की पुत्री हैं। उनके बड़े भाई जी. वी. प्रकाश कुमार एक संगीतकार, पार्श्व गायक, अभिनेता और निर्माता हैं।

उन्हें पावा कढाइगल, का पे रणसिंगम और विदुथलाई पार्ट 1 जैसी फिल्मों में उनके अभिनय के लिए जाना जाता है। नागा वामसी द्वारा निर्मित और सिथारा एंटरटेनमेंट्स के बैनर तले बनी इस फिल्म में रवीना टंडन और सत्य कुमार महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभा रहे हैं। इस गाने का संगीत जी.वी. प्रकाश कुमार ने तैयार किया है।

हर हफ्ते तौलिये धोना है गलत, जानें कितने दिन में उन्हें धोना चाहिए

तौलिये रोजमर्रा में इस्तेमाल होते हैं और इनमें बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। इसलिए इन्हें नियमित रूप से धोना जरूरी है, लेकिन इनकी सफाई को लेकर कई भ्रम हैं, जैसे कि क्या हर हफ्ते तौलिये धोने चाहिए या नहीं? इस लेख में हम आपको तौलिये धोने से जुड़े सही तथ्यों और सुझावों के बारे में बताएंगे ताकि आप अपने तौलियों की सही तरीके से देखभाल कर सकें और लंबे समय तक उनका उपयोग कर सकें।

हर हफ्ते तौलिये धोना जरूरी है?

हर हफ्ते तौलिये धोना जरूरी नहीं है। यह आपके इस्तेमाल और परिस्थितियों पर निर्भर करता है। अगर आप रोजाना स्नान करते हैं तो हर दूसरे या तीसरे दिन तौलिये धोना बेहतर हो सकता है। इससे तौलिये साफ रहेंगे और बैक्टीरिया भी नहीं पनपेंगे। इसके अलावा तौलिये को सही तरीके से सुखाना भी जरूरी है ताकि नमी न रहे और बैक्टीरिया न बढ़ें। इस तरह आपके तौलिये लंबे समय तक नए जैसे बने रहेंगे।

गीले तौलिये को लंबे समय तक न छोड़ें

गीले तौलिये को लंबे समय तक छोड़ने से उसमें बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। इसलिए स्नान करने के बाद तुरंत तौलिये को अच्छी तरह फैलाकर सुखा दें। अगर आप गीला तौलिया ड्रेसिंग रूम या बाथरूम में लटकाते रहते हैं तो यह एक गलत आदत है। इसे किसी हुक पर न लटकाएं। इसे अच्छी तरह से हवा लगने वाली जगह पर सुखा दें। इससे बैक्टीरिया नहीं पनपेंगे और आपका तौलिया साफ रहेगा।

गर्मियों में तौलिये की सफाई पर ध्यान दें

गर्मियों में अधिक पसीना आता है और बैक्टीरिया पनपने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए इस मौसम में सप्ताह में एक बार से अधिक बार तौलिये धोना चाहिए। इसके अलावा सुखाने का तरीका भी जरूरी है। तौलिये को हवा लगने वाली जगह पर फैलाकर सुखा दें ताकि नमी न रहे और बैक्टीरिया न पनपें। इससे आपका तौलिया साफ रहेगा और लंबे समय तक नए जैसे बना रहेगा।

धोने का सही तरीका अपनाएं

तौलिये धोते समय गर्म पानी का उपयोग करें, लेकिन ध्यान रखें कि बहुत अधिक गर्म पानी न हो क्योंकि इससे कपड़ा कमजोर हो सकता है। इसके अलावा साबुन का चयन भी महत्वपूर्ण है। हल्का साबुन इस्तेमाल करें जो त्वचा पर कोमल हो और बैक्टीरिया को मार सके। साथ ही धोने के बाद तौलिये को अच्छी तरह से धूप में सुखाएं ताकि नमी पूरी तरह हट जाए और बैक्टीरिया पनपने का मौका न मिले।

स्टोर करने का तरीका भी अपनाएं

धोए हुए तौलिये को सही तरीके से स्टोर करना भी जरूरी है। इन्हें किसी बंद दराज या अलमारी में रखने से पहले पूरी तरह सूखा लें। इसके अलावा तौलिये को फोल्ड करके रखें ताकि उनमें नमी न रहे और बैक्टीरिया पनपने का मौका न मिले। इस तरह आप अपने तौलियों की सही देखभाल कर सकते हैं और उन्हें लंबे समय तक नए जैसा बना सकते हैं।

हरे निशान में खुला भारतीय शेयर बाजार, आईटी शेयरों में उछाल

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को हरे निशान में खुला। शुरुआती कारोबार में निफ्टी आईटी सूचकांक 1.7 प्रतिशत की बढ़त के साथ तेजी में रहा।

सुबह करीब 9.23 बजे, सेंसेक्स 365 अंक या 0.44 प्रतिशत बढ़कर 81,142 पर कारोबार कर रहा था और निफ्टी 99 अंक या 0.40 प्रतिशत बढ़कर 24,873 पर था।

ब्रॉडकैप सूचकांक स्थिर रहे। निफ्टी मिडकैप 100 में 0.05 प्रतिशत की मामूली तेजी रही और निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 0.01 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

इन्फोसिस ने हाल ही में घोषणा की कि कंपनी 11 सितंबर 2025 को होने वाली बैठक में इक्विटी शेयरों के बायबैक के प्रस्ताव पर विचार करेगी, जिसके बाद कंपनी के शेयर 3.35 प्रतिशत की तेजी के साथ मजबूत बढ़त में रहे और निफ्टी आईटी में तेजी दर्ज की गई। इसके अलावा, आईटी कंपनी विप्रो में भी 2.36 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

निफ्टी पैक में टेक महिंद्रा, टीसीएस, बजाज फिनसर्व टॉप गेनर्स रहे। वहीं, टाइटन, श्रीराम फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा कंज्यूमर और टाटा मोटर्स टॉप लूजर्स की लिस्ट में रहे।

सेक्टोरल फ्रंट पर, निफ्टी आईटी के अलावा, निफ्टी फार्मा 0.47 प्रतिशत और निफ्टी ऑटो 0.21 प्रतिशत की बढ़त के साथ हरे निशान में रहे। कई अन्य सूचकांकों में मामूली गिरावट दर्ज की गई।

विश्लेषकों ने कहा कि निफ्टी सूचकांक ने डेली चार्ट पर एक लॉन्ग अपर शैडो के साथ एक स्मॉल रेड कैंडल बनाई है, जो कंसोलिडेशन और अस्थिरता को दर्शाती है।

उन्होंने कहा, हालांकि निचले स्तरों पर खरीदारी की रुचि दिखाई दे रही है, लेकिन 24,900-25,000 जोन एक कठिन बाधा बना हुआ है। सपोर्ट 24,620 स्तर पर है और जब तक निफ्टी 25,000 से नीचे कारोबार करता है, तब तक कुछ कंसोलिडेशन या हल्की कमजोरी बनी रह सकती है।

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य बाजार रणनीतिकार आनंद जेम्स ने कहा, 24,870 के स्तर पर पहुंचते ही ऊपर की ओर गति गायब हो गई, जिसे हमने एक महत्वपूर्ण धुरी के रूप में चिह्नित किया था। हालांकि नीचे की ओर मोड़ अचानक और तीव्र था। आगे की स्पष्टता के लिए हम 24,730-870 के स्तर से आगे बढ़ने की उम्मीद करेंगे।

अमेरिकी बाजारों में डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.26 प्रतिशत, नैस्डैक 0.45 प्रतिशत और एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.21 प्रतिशत की बढ़त में रहे। अमेरिका में निवेशक अब दो प्रमुख मुद्रास्फीति रिपोर्टों का इंतजार कर रहे हैं, जो यह निर्धारित कर सकती हैं कि फेडरल रिजर्व के नीति निर्माता अगले सप्ताह अपनी बैठक में क्या फैसला लेंगे।

सुबह के सत्र में एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार हुआ। चीन का शंघाई सूचकांक 0.36 प्रतिशत और शेन्जेन 1 प्रतिशत की गिरावट में रहे। जापान का निक्केई 0.2 प्रतिशत, जबकि हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक 0.82 प्रतिशत की बढ़त में रहे। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.06 प्रतिशत बढ़ा।

विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को भारतीय शेयरों से 2,170.35 करोड़ रुपए की शुद्ध बिकवाली की, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 3,014.30 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

अपर पुलिस अधीक्षक ने कस्बा भिनगा में किया लैग मार्च

श्रावस्ती । अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चन्द्र उत्तम ने आगामी त्योहारों विश्वकर्मा पूजा, शारदीय नवरात्र व दशहरा के दृष्टिगत शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु कस्बा भिनगा के विभिन्न स्थानों पर भारी संख्या में पुलिस बल के साथ फ्लैग मार्च किया, इस दौरान बाजार, प्रमुख चौराहों एवं सार्वजनिक स्थलों का भ्रमण कर कानून-व्यवस्था व सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। पैदल गश्त के दौरान स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों से संवाद स्थापित कर सुरक्षा का अहसास दिलाया व उन्हें निष्पक्ष, तत्पर व जनहितकारी पुलिस सेवा का आश्वासन दिया। मौके पर मौजूद पुलिस बल को क्षेत्र में सतर्क दृष्टि बनाए रखने, संदिग्ध व्यक्तियों पर निगरानी रखने एवं आमजन से मित्रवत व्यवहार करने के निर्देश दिए।

अपर पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति में थाना कोतवाली भिनगा पर आयोजित की गयी पीस कमेटी की मीटिंग

श्रावस्ती । पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चंद्र उत्तम ने थाना कोतवाली भिनगा पर आगामी त्योहारों विश्वकर्मा पूजा, शारदीय नवरात्र, दुर्गा प्रतिमा विसर्जन, दशहरा के दृष्टिगत अंतर सामुदायिक सद्भाव को मजबूत करने व शांति पूर्ण ढंग से सकुशल संपन्न कराने हेतु क्षेत्र के संभ्रांत व्यक्तियों, धर्मगुरुओं, जुलूस आयोजकों व पंडाल संचालकों के साथ मीटिंग की। बैठक में सभी गणमान्य से वार्तालाप कर क्षेत्र की समस्याओं के बारे में जानकारी ली तथा प्रतिमा विसर्जन के जुलूस के रास्तों के बारे में जानकारी ली। शासन द्वारा दिये गये दिशा निर्देशों के बारे में जानकारी दी तथा कोई नई परम्परा न चलायी जाये इसके बारे में भी अवगत कराया गया। सभी से शांति एवं कानून व्यवस्था को अक्षुण्ण बनाये रखने, आपसी भाईचारे के साथ सौहार्दपूर्ण वातावरण में आगामी त्योहार मनाने की अपील की। वहीं पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी प्रकार की अफवाहों से बचने व क्षेत्र में कोई भी असामाजिक फैलाने व माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वाले व्यक्तियों व अन्य किसी संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु दिखाने पर उसकी जानकारी तत्काल स्थानीय पुलिस व डायल 112 पर सूचित करें। इस दौरान उप जिलाधिकारी भिनगा, क्षेत्राधिकारी भिनगा श्री सतीश कुमार शर्मा, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली भिनगा व क्षेत्र के संभ्रांत व्यक्तियों सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत का किया गया आयोजन

श्रावस्ती। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देश के अनुपालन में तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जनपद न्यायाधीश, श्रावस्ती, राकेश धर दुबे की अध्यक्षता में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। जनपद न्यायाधीश के न्यायालय तथा उनके अधीनस्थ सभी न्यायालयों व जिलाधिकारी के न्यायालय तथा उनके अधीनस्थ सभी न्यायालयों व कार्यालयों पर राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्घाटन प्रातः 10:30 बजे जनपद न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, राकेश धर दुबे द्वारा मां सरस्वती को माल्यार्पण कर एवं ज्योति प्रज्जवलन कर सभी न्यायिक एवं प्रशासनिक अधिकारियों तथा समस्त बैंकों के प्रबन्धकों एवं एल०डी०एम० तथा अधिवक्ताओं, न्यायालय कर्मचारियों की उपस्थिति में किया गया। इसी क्रम में जनपद न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, द्वारा दीवानी न्यायालय, श्रावस्ती परिसर में विभिन्न बैंकों द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत के स्टॉल का निरीक्षण किया गया, तथा बैंक के संबंधित कर्मचारीगणों को अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण कराने हेतु निर्देशित भी किया गया।

सभी थानों पर थाना समाधान दिवस का किया गया आयोजन, पुलिस अधीक्षक ने सुनी जनसमस्याएं

श्रावस्ती । जनपद के सभी थानों पर थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी ने थाना इकौना पर समाधान दिवस में आए हुए फरियादियों की समस्या को सुना तथा गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु राजस्व व पुलिस की टीम को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चंद्र उत्तम व उपजिलाधिकारी भिनगा द्वारा थाना कोतवाली भिनगा पर तथा उपजिलाधिकारी इकौना व क्षेत्राधिकारी इकौना भरत पासवान द्वारा थाना नवीन माडर्न पर समाधान दिवस में आए फरियादियों की समस्याओं को सुना। इसी क्रम में पुलिस व राजस्व के अधिकारियों द्वारा समस्त थानो पर समाधान दिवस में आए फरियादियों की जन समस्याओं को सुना एवं गुणवत्तापूर्ण त्वरित निराकरण हेतु निर्देशित किया। थाना समाधान दिवस के अवसर पर पुलिस व प्रशासन के अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

राह चलते पड़ोसन को छेड़ने वाला शोहदा गिरफ्तार

मेरठ। ऑपरेशन मजनू के तहत ब्रह्मपुरी पुलिस ने राह चलते पड़ोसन महिला के साथ छेड़छाड़ करने वाले एक शोहदे को गिरफ्तार किया है। महिला ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। ब्रह्मपुरी क्षेत्र की रहने वाली महिला ने अपने पड़ोसी दीपक वर्मा के खिलाफ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। महिला का आरोप था कि दीपक वर्मा सड़क से गुजरती महिला को अश्लील इशारे करते हुए अक्सर उसके साथ छेड़छाड़ करता है। महिला के विरोध करने पर ऊपर तक अपनी पहुंच बताते हुए उसे धमकी देता है। महिला द्वारा दर्ज कराई गई रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी दीपक वर्मा को गिरफ्तार कर लिया है।

केंद्रीय कर्मचारियों की बल्ले-बल्ले! डीए में 3प्रतिशत की बंपर बढ़ोतरी तय, खाते में आएगा 3 महीने का एरियर

नई दिल्ली ,09 सितंबर । आगामी त्योहारी सीजन से पहले केंद्र सरकार अपने 1.2 करोड़ से अधिक कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को एक बड़ा तोहफा देने की तैयारी में है। सूत्रों के मुताबिक, सरकार महंगाई भत्ते (ष्ठ्र) और महंगाई राहत (ष्ठक्र) में 3त्न की बढ़ोतरी का ऐलान करने जा रही है। इस फैसले के बाद कर्मचारियों का कुल डीए बढ़कर 58त्न हो जाएगा। इसका औपचारिक ऐलान अक्टूबर के पहले सप्ताह में होने की प्रबल संभावना है। जानकारी के अनुसार, यह बढ़ोतरी 1 जुलाई 2025 से लागू मानी जाएगी। इसका मतलब है कि कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को अक्टूबर की सैलरी के साथ जुलाई, अगस्त और सितंबर, इन तीन महीनों का एरियर (बकाया राशि) भी मिलेगा। सरकार द्वारा यह घोषणा खास तौर पर दिवाली (20-21 अक्टूबर) से ठीक पहले की जा रही है, ताकि त्योहारी मौसम में कर्मचारियों को महंगाई से अतिरिक्त राहत मिल सके। केंद्र सरकार 7वें वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुसार साल में दो बार डीए और डीआर में संशोधन करती है। पहला संशोधन जनवरी से जून की अवधि के लिए और दूसरा जुलाई से दिसंबर की अवधि के लिए होता है। यह गणना औद्योगिक श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (ष्टक्कढ्ढ-ढ्ढङ्ख) के 12 महीने के औसत के आधार पर की जाती है। जुलाई 2024 से जून 2025 तक के आंकड़ों के आधार पर डीए की दर 58त्न बनती है, जो मौजूदा 55त्न से 3त्न अधिक है।

जंगलराज पर नड्डा ने आरजेडी को घेरा

तेजस्वी से पूछा- लालू के बयानों पर कब मांगेंगे माफी?

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा आज बिहार दौरे पर हैं। बिहार में एक कार्यक्रम के दौरान नड्डा ने कहा कि बिहार के बारे में चर्चा करें तो दो तस्वीर सामने आती हैं- एक अंधकारमय बिहार और दूसरा उजाले की ओर बढ़ता बिहार। पहले वोटबैंक के लिए तुष्टिकरण की राजनीति होती थी, हर काम में भ्रष्टाचार होता था, हत्या-अपहरण आम बात हो गई थी। आज एनडीए सरकार में बिहार प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री नीतीश जी नेतृत्व में बिहार कई बड़े बदलाव हुए हैं। मुझे खुशी है कि महिला सशक्तिकरण में बिहार ने अपने आप को साबित किया है।

जेपी नड्डा ने विपक्ष पर वार करते हुए कहा कि छ्वष्ठ (स्रछ्वष्ठ) के नेता सिर्फ सत्ता के भूखे हैं यही इनका विजन और मिशन है। उन्हें सिर्फ अपने स्वार्थ से मतलब है, बिहार या भारत की जनता से कोई मतलब नहीं। उन्होंने कहा कि विकास के नाम पर लालू यादव कहते थे- रोड बना देंगे तो पुलिस जल्दी पहुंच जाएगी और जानवरों के खुर खराब हो जाएंगे। चलानवाद पर लालू महिमामंडन करते थे- बिहार का लोग गमछा पहनकर जाता है, सूट पहनकर लौटता है। आज तक राजद ने माफी नहीं मांगी! भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस और बाकी विपक्ष ने राजनीति को निम्नतम स्तर पर पहुंचा दिया है। पहले इनके मंच से मोदी जी की माता जी को गालियां दी गईं और कल कांग्रेस का जो वीडियो आया है वो इस बात का प्रमाण है कि उनकी सोच कितनी गंदी है। उन्होंने कहा कि ये लोग किस तरह राजनीति को गिरा रहे हैं। बिहार की धरती इसका गवाह है। जागृत बिहार की जनता सही समय आने पर इसका मुंहतोड़ जवाब देगी।

उन्होंने कहा कि 2003 के बिहार में पटना में डर का माहौल था, उस समय इंजी. को दिनदहाड़े मारा गया और मारने वाला लालू प्रसाद का नजदीकी था। क्राइम और स्टेट सपोर्टेड क्राइम में बड़ा अंतर होता है, ये सिर्फ बिहार को अंधकार में धकेलना चाहते थे। उन्होंने कहा कि विकास के नाम पर लालू यादव ने बयान दिया था कि अगर हम सड़क बनाएंगे, तो पुलिस आपके पास जल्दी पहुंच जाएगी। इतने साल बीत गए, और मैं पूछना चाहता हूं कि क्या तेजस्वी यादव ने बिहार की जनता से माफी मांगी? वो किस तरह से सोच सकते हैं कि वो बिहार का भला करेंगे।

अयोध्या में दीपोत्सव-2025:ग्रीन आतिशबाजी और 26 लाख दीपों से रोशन होगा राम की पैड़ी का आकाश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग अयोध्या में इस वर्ष 19 अक्टूबर को आयोजित होने वाले दीपोत्सव-2025 की तैयारियों में जुटा है। इस बार पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए प्रदूषणमुक्त ग्रीन आतिशबाजी शो का आयोजन किया जाएगा। 14 वर्षों के वनवास के उपरांत प्रभु श्रीराम के अयोध्या आगमन की खुशी में सरयू नदी का आकाश रंग-बिरंगी रोशनी और आतिशबाजी से जगमगाएगा। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि दीपोत्सव के अवसर पर पूरे शहर को भव्य रूप से सजाया जाएगा। सरयू घाटों पर 26 लाख से अधिक मिट्टी के दीप प्रज्वलित होंगे और नदी तट विशेष सजावट के साथ आकर्षक बनाया जाएगा। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ पूरा शहर झिलमिलाती रोशनियों से आलोकित होगा।

एक्स पर नैरेटिव लोग तय करते हैं, मस्क ने पीटर नवारो को दिया जवाब

नई दिल्ली ,09 सितंबर । टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने व्हाइट हाउस के सलाहकार पीटर नवारो द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रोपेगेंडा फैलाने के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि उनके सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नैरेटिव लोग तय करते हैं।

मस्क और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो के बीच यह बयानबाजियां भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद को लेकर विवाद के बीच हुआ।

नवारो ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, भारत केवल लाभ के लिए रूसी तेल खरीदता है। रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण करने से पहले भारत ने तेल की कोई खरीद नहीं की। भारत सरकार की स्पिन मशीन तेज गति से चल रही है। यूक्रेनियों को मारना बंद करो। अमेरिकी नौकरियां छीनना बंद करो।

कम्युनिटी नोट्स द्वारा एक्स के फैक्ट चेक ने नवारो के कमेंट को मिसलीडिंग बताते हुए फ्लैग किया और कहा कि भारत की संप्रभु ऊर्जा खरीद अंतरराष्ट्रीय कानून का अनुपालन करती है।

नवारो ने इसके बाद मस्क की क्रैप नोट्स की अनुमति देने के लिए आलोचना की।

मस्क ने जवाब दिया, इस मंच पर, लोग ही नैरेटिव तय करते हैं।आप किसी भी तर्क के सभी पक्षों को सुनें। कम्युनिटी नोट्स सभी को सही करता है, कोई अपवाद नहीं। नोट्स डेटा और कोड सार्वजनिक स्रोत हैं। ग्रोक आगे फैक्ट-चेकिंग प्रदान करता है। भारत सरकार ने भी चल रहे विवाद के बीच नवारो के बयानों को खारिज कर दिया और विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने उन्हें गलत और भ्रामक बयान बताया।

नवारो ने पहले भारत की विदेश नीति की आलोचना की थी, तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में रूसी और चीनी नेताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया मुलाकातों पर सवाल उठाया था और कहा था कि भारत को रूस के साथ नहीं, बल्कि हमारे साथ रहने की जरूरत है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत-अमेरिका संबंधों को एक बेहद खास रिश्ता बताया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना की है। ट्रंप चीन के हाथों भारत को खोने वाली अपनी पिछली टिप्पणी से पीछे हटते हुए दिखे और कहा, मैं प्रधानमंत्री मोदी का हमेशा दोस्त बना रहूंगा।

इस टिप्पणी के कुछ घंटों बाद, भारतीय प्रधानमंत्री मोदी ने भी जवाब दिया कि वह राष्ट्रपति ट्रंप की भावनाओं की सराहना करते हैं और उनका पूरा सम्मान करते हैं।

भारत-पाक मैच पर फूटा गुस्सा: राष्ट्रवादी क्रिकेटर चुप क्यों ?

बीसीसीआई उन्हें बंदूक की नोक पर खेलने के लिए मजबूर नहीं कर सकता

नई दिल्ली। एशिया कप 2025 में होने वाले भारत-पाकिस्तान मैच पर, पहलगाम आतंकी हमले के शिकार शुभम द्विवेदी की पत्नी ऐशान्या द्विवेदी का बड़ा बयान आया है। उन्होंने कहा कि बीसीसीआई को भारत और पाकिस्तान के बीच मैच की अनुमति नहीं देनी चाहिए थी। मुझे लगता है कि बीसीसीआई उन 26 परिवारों के प्रति भावुक नहीं है। हमारे क्रिकेटर क्या कर रहे हैं? कहा जाता है कि क्रिकेटर राष्ट्रवादी होते हैं। इसे हमारा राष्ट्रीय खेल माना जाता है। लेकिन 1-2 क्रिकेटरों को छोड़कर, किसी ने आगे आकर यह नहीं कहा कि हमें पाकिस्तान के खिलाफ मैच का बहिष्कार करना चाहिए।

ऐशान्या द्विवेदी ने कहा कि बीसीसीआई उन्हें बंदूक की नोक पर खेलने के लिए मजबूर नहीं कर सकता। उन्हें अपने देश के लिए खड़ा होना चाहिए। लेकिन वे ऐसा नहीं कर रहे हैं। मैं प्रायोजकों और प्रसारकों से पूछना चाहती हूं कि अगर उन 26 परिवारों की राष्ट्रीयता खत्म हो गई तो... मैच से होने वाली कमाई का क्या इस्तेमाल होगा? पाकिस्तान इसका इस्तेमाल सिर्फ आतंकवाद के लिए करेगा। वह एक आतंकवादी देश है। आप उन्हें राजस्व मुहैया कराएंगे और उन्हें हम पर फिर से हमला करने के लिए तैयार करेंगे।

शुभम द्विवेदी की पत्नी ने कहा कि मुझे यह समझ नहीं आ रहा... मैं लोगों से इसका बहिष्कार करने की अपील करती हूं। इसे देखने न जाएं और इसके लिए अपना टीवी भी न चलाएं। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने 14 सितंबर को दुबई में होने वाले भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच का कड़ा विरोध किया और हाल ही में हुई आतंकी गतिविधियों के मद्देनजर मैच रद्द करने की मांग की। अमेरिका में शूट किए गए एक स्व-निर्मित वीडियो में, चतुर्वेदी ने याद किया कि उन्होंने बीसीसीआई अध्यक्ष को मैच रद्द करने के लिए एक पत्र लिखा था क्योंकि पाकिस्तानी क्रिकेटर अक्सर अपने सोशल मीडिया पर भारत और ऑपरेशन सिंदूर का अपमान करते पाए गए थे।

प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि एशिया कप के तहत, 14 सितंबर को दुबई में भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच होना है। मैंने संसद में यह मुद्दा इसलिए उठाया था क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर के बाद जब मैं संसदीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में विभिन्न देशों के दौरे पर गया था, तो हमें बताया गया था कि आतंकवाद से कोई बातचीत या व्यापार नहीं होगा।

लोन पर लिए गए मोबाइल फोन की नहीं चुकाई EMI तो हो जाएगा लॉक, RBI नया नियम लाने की तैयारी में

नई दिल्ली । लोन पर लिए गए मोबाइल फोन्स को जल्द ही लॉक करने की मंजूरी मिल सकती है। भारतीय रिजर्व बैंक अब लोन देने वाले संस्थानों को ऐसी सुविधा देने पर विचार कर रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ह्म्क्च अपने फेयर प्रैक्टिस कोड्स को अपडेट कर सकता है, ताकि डिफॉल्ट के बढ़ते मामलों से निपटा जा सके। बढ़ते डिफॉल्ट मामलों के बीच बैंकों और फाइनेंस कंपनियों को यह सुविधा मिलने की संभावना है, जिससे वे लोन न चुकाने की स्थिति में यूजर्स के फोन लॉक कर सकें। 2024 में जारी होम क्रेडिट फाइनेंस की एक स्टडी के अनुसार, भारत में हर तीन में से एक कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट छोटे लोन पर खरीदा जाता है, जिसमें स्मार्टफोन सबसे आगे हैं। 1.4 अरब की आबादी वाले भारत में 1.16 अरब मोबाइल कनेक्शन हैं, जिससे साफ है कि यह फैसला करोड़ों लोगों को प्रभावित कर सकता है। पहले भी कई लेंडर्स लोन पर लिए गए मोबाइल्स को लॉक करने के लिए थर्ड-पार्टी ऐप्स का सहारा लेते थे। ये ऐप्स फोन में इंस्टॉल किए जाते थे और लोन डिफॉल्ट की स्थिति में फोन को लॉक कर देते थे। हालांकि, पिछले साल ह्म्क्च ने इस तरह की प्रैक्टिस पर रोक लगा दी थी। अब एक बार फिर ह्म्क्च इस व्यवस्था को औपचारिक रूप देने की तैयारी में है। इसके लिए केंद्रीय बैंक एक गाइडलाइन जारी कर सकता है जो अगले कुछ महीनों में सामने आ सकती है। इस प्रक्रिया को लागू करने के लिए बैंक और हृक्चस्न (नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनियां) एक खास ऐप का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह ऐप मोबाइल खरीद के वक्त ही फोन में इंस्टॉल किया जाएगा। Google Device Lock Controller, Samsung Finance+ (सिर्फ सैमसंग यूजर्स के लिए) जैसे ऐप्स इस उद्देश्य के लिए इस्तेमाल हो सकते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, फोन में ऐप इंस्टॉल करने से पहले लेंडर्स को ग्राहक की स्पष्ट अनुमति लेनी होगी। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि लेंडर्स यूजर के पर्सनल डेटा तक पहुंच न सकें। किसी भी फोन को तभी लॉक किया जा सकेगा, जब ग्राहक लोन का भुगतान नहीं करेगा। हालांकि, फिलहाल ह्म्क्च की ओर से इस बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। लेकिन सूत्रों के अनुसार, यह कदम छोटे लोन देने वालों को रिकवरी की शक्ति देने और उपभोक्ताओं के डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित करने के मकसद से उठाया जा रहा है। इस प्रस्ताव ने डेटा प्राइवेसी और उपभोक्ता अधिकारों को लेकर बहस छेड़ दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर पारदर्शिता और उपयुक्त सुरक्षा उपायों को अपनाया गया, तो यह कदम फाइनेंशियल सेक्टर के लिए सकारात्मक हो सकता है, लेकिन उपभोक्ताओं की सहमति और डेटा सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद- सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. न.-UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

बाक्स आफिस पर पहले ही दिन पवन कल्याण की फिल्म ओजीने तोड़े कई रिकार्ड्स, छावा से सैयारा समेत कई फिल्मों को भी दी मात

पवन कल्याण की नई फिल्म दे काल हिम ओजी 25 सितंबर को सिल्वर स्क्रीन पर धमाकेदार शुरुआत कर चुकी है. यह पवन कल्याण की इस साल हरि हर वीरा मल्लू के बाद दूसरी फिल्म है. वहीं, बालीवुड एक्टर इमरान हाशमी की यह तेलुगु सिनेमा में पहली फिल्म भी है. सुजीत की निर्देशित इस गैंगस्टर क्राइम एक्शन ड्रामा में इन दोनों की आन–स्क्रीन टक्कर खास है. इस नेवा जोड़ी को दर्शकों ने काफी पसंद किया है. यही वजह है कि फिल्म ने ओपनिंग डे पर रिकार्ड तोड़ कमाई की है. दे काल हिम ओजी की कहानी आपराधिक अंडरवर्ल्ड के भीतर सत्ता संघर्ष और बदले की कहानी कहती है. इसकी कहानी एक गैंगस्टर ओजस गंभीरा (पवन कल्याण) पर केंद्रित है. मुंबई से दस साल दूर रहने के बाद, वह एक और अपराधी ओमी भाऊ, जिसका किरदार इमरान हाशमी ने निभाया है, को उखाड़ फेंकने के इरादे से लौटता है. यह फिल्म पवन कल्याण और इमरान हाशमी के बीच पहली बार सहयोग की एक फिल्म है. इस फिल्म में प्रियंका मोहन, अर्जुन दास, प्रकाश राज, राव रमेश, श्रीया रेड्डी और सुभलेखा सुधाकर जैसे बेहतरीन कलाकार हैं. वैश्विक बाक्स आफिस पर इसके प्रदर्शन को लेकर कई अटकलें लगाई जा रही हैं. वहीं भारत में इसने रिकार्ड तोड़ कमाई की है. मिली–जुली समीक्षाओं के बीच, ओजी ने बाक्स आफिस पर धमाकेदार शुरुआत की. सुजीत की निर्देशित यह फिल्म पहले ही इतिहास रच रही है. सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने भारत में अपनी शुरुआत में ही 90.25 करोड़ रुपये की कमाई कर ली. इस जबरदस्त शुरुआत के साथ, पवन कल्याण की दे काल हिम ओजी ने 2025 की अन्य बड़ी फिल्मों, जैसे कूली (65 करोड़ रुपये), छावा (31 करोड़ रुपये), सैयारा (21.5 करोड़ रुपये), राम चरण की गेम चेंजर (51 करोड़ रुपये) को पीछे छोड़ दिया है. इसके अलावा, ओजी ने पवन कल्याण की पिछली फिल्म हरि हर वीरा मल्लू को भी पीछे छोड़ दिया, जिसने घरेलू बाक्स आफिस पर पहले दिन 18 करोड़ रुपये की कमाई की थी. इसी के साथ दे काल हिम ओजी भारतीय सिनेमा में 2025 की सबसे बड़ी ओपनर फिल्म बन गई है.

अब, वर्ल्डवाइड बाक्स आफिस कलेक्शन की बात करें तो, ओजी ने शानदार शुरुआत की है. उत्तरी अमेरिका में अपने पहले ही पेड प्रीमियर से इसने 30 लाख डालर (26 करोड़ रुपये) कमाए हैं. यह शुरुआती सफलता बाक्स आफिस पर एक धमाकेदार ओपनिंग डे की नींव रखती है.

सैकनिल्क के मुताबिक, ओजी ने अपने पहले दिन भारत में 70 करोड़ रुपये नेट कमाई की, और 24 घंटों के भीतर भारत में 100 करोड़ रुपये और पहले ही दिन 154 करोड़ रुपये का ग्रास वर्ल्डवाइड कलेक्शन कर लिय है.

दुनिया भर में 154 करोड़ की वर्ल्डवाइड ओपनिंग कर कमाल कर दिया है. फिल्म की सिर्फ प्री–सेल्स से ही लगभग 98 करोड़ रुपये की कमाई हुई. विदेशों में, खासकर उत्तरी अमेरिका में, इस फिल्म ने अपने प्रीमियर शो से ही 2025 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तेलुगु फिल्म बनकर उभरी है और अमेरिकी बाजार में अब तक का चौथा सबसे बड़ा तेलुगु प्रीमियर डे हासिल करके नए मानक स्थापित किए.

दे काल हिम ओजी के आने वाले दिनों में बाक्स आफिस पर छाए रहने की उम्मीद है, जब तक कि इसे धनुष की इडली कढ़ाई और ऋषभ शेट्टी की कांतारा: चैप्टर 1 से प्रतिस्पर्धा का सामना नहीं करना पड़ता.

पारंपरिक साड़ी में राशि खन्ना का ग्लैमर अंदाज, सोशल मीडिया पर पोस्ट की तस्वीरें

साउथ सिनेमा की स्टार और बालीवुड में भी अपनी पहचान बना चुकी अभिनेत्री राशि खन्ना ने सोशल मीडिया पर अपनी ताजा तस्वीरें साझा कीं, जिसमें वह पारंपरिक साड़ी में बेहद आकर्षक नजर आ रही हैं।

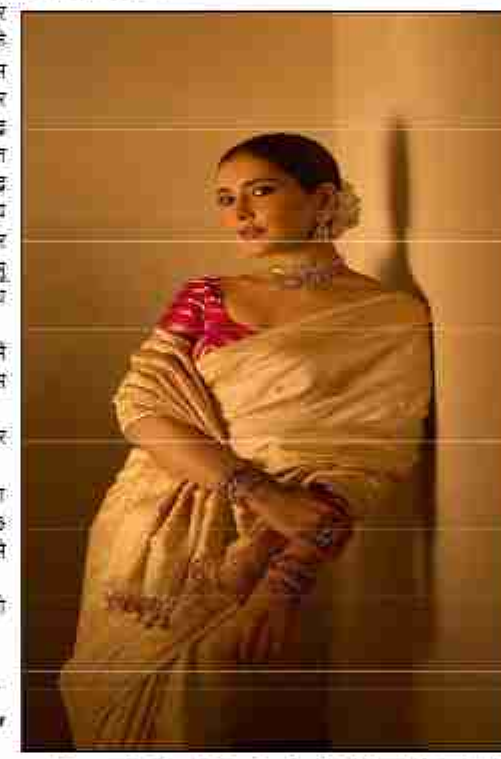

इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई इन तस्वीरों में उन्होंने सादगी और भारतीय परिधान की खूबसूरती से सबका ध्यान खींचा है। राशि ने खूबसूरत साड़ी पहनी है, जिसका चौड़ा गोल्डन बार्डर उनके लुक को और निखार रहा है। इस साड़ी के साथ उन्होंने गहरे गुलाबी रंग का ब्लाउज चुना, जिस पर गोल्डन लाइन और बाजुओं पर बारीक कढ़ाई की गई है। उनके गहनों की बात करें तो उन्होंने गले में नाजुक नेकलेस, कानों में चमकदार झुमके और हाथों में गोल्डन कंगन पहने हैं, जो उनके लुक को और भी शाही बना रहे हैं। मिनिमल मेकअप के साथ राशि ने सादगी भरा जूड़ा बनाया, जिसमें जूड़े में सफेद फूलों की गजरा उनकी सुंदरता को चार चांद लगा रही है।

राशि ने इन तस्वीरों के साथ एक खूबसूरत कैप्शन लिखा, साड़ी की नजाकत, दिल की मुस्कान...कहना ही क्या।

तस्वीरों में राशि अलग–अलग अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। पहली तस्वीर में वह दोनों हाथ पकड़कर कैमरे की ओर देखते हुए मुस्कुरा रही हैं। दूसरी तस्वीर में वह दीवार के सहारे एक हाथ से दूसरा हाथ पकड़कर खूबसूरत पोज दे रही हैं। तीसरी तस्वीर में वह दीवार के पास अपनी कलाई को नरमी से पकड़कर लाजवाब अंदाज में नजर आ रही हैं। बाकी तस्वीरों में भी वह तरह–तरह के पोज में अपनी खूबसूरती बिखेर रही हैं।

राशि की इन तस्वीरों को देखकर प्रशंसक उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे। सोशल मीडिया पर उनके इस पारंपरिक अवतार को खूब पसंद किया जा रहा है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो राशि के कई प्रोजेक्ट रिलीज होने जा रहे हैं। अभिनेत्री जल्द ही पवन कल्याण के साथ फिल्म उस्ताद भगत सिंह में दिखाई देंगी। इस फिल्म का निर्देशन हरीश शंकर ने किया है। इसके अलावा राशि को फरहान अख्तर के साथ 120 बहादुर में भी लीड रोल प्ले करते हुए देखा जाएगा।

बाक्स आफिस पर जाली एलएलबी 3 ने फिर पकड़ी रफ्तार, पांचवें दिन कमाए इतने करोड़ रुपये

अक्षय कुमार और अरशद वारसी की फिल्म जाली एलएलबी 3 को सिनेमाघरों में रिलीज हुए

5 दिन हो चुके हैं। इस कोर्टरूम ड्रामा फिल्म की बाक्स आफिस पर शुरुआत शानदार रही, लेकिन कामकाजी दिनों में इसके कारोबार में गिरावट जारी है। हालांकि, मंगलवार को यह फिल्म एक बार फिर पटरी पर लौट आई है। आइए जानते हैं जाली एलएलबी 3 ने पांचवें दिन बाक्स आफिस पर कैसा प्रदर्शन किया है। बाक्स आफिस ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, जाली एलएलबी 3 ने रिलीज के पांचवें दिन यानी मंगलवार को 6.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बाक्स आफिस कलेक्शन 65.50 करोड़ रुपये हो गया है। इस फिल्म ने 12.5 करोड़ रुपये के साथ बाक्स आफिस पर अपना खाता खोला था, वहीं दूसरे दिन यह फिल्म 20 करोड़ रुपये और तीसरे दिन 21 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही। चौथे दिन इस फिल्म ने 5.5 करोड़ रुपये कमाए। जाली एलएलबी 3 के निर्देशन की कमान सुभाष कपूर ने संभाली है, वहीं आलोक जैन और अजीत अंधारे ने इस फिल्म का निर्माण किया है। अक्षय और अरशद के अलावा इस फिल्म में सौरभ शुक्ला, अमृता राव और हुमा कुरैशी जैसे कलाकार भी नजर आ रहे हैं। सिनेमाघरों में कमाई करने के बाद फिल्म जाली एलएलबी 3 का प्रीमियर जियो हाटस्टार पर होगा। इसके अलावा नेटफ्लिक्स ने भी इस फिल्म के ओटीटी राइट्स खरीदे हैं।

मिराय बनी 12 दिन में ब्रह्मांड ब्लाकबस्टर, वर्ल्डवाइड कमाई 140 करोड़ के पार

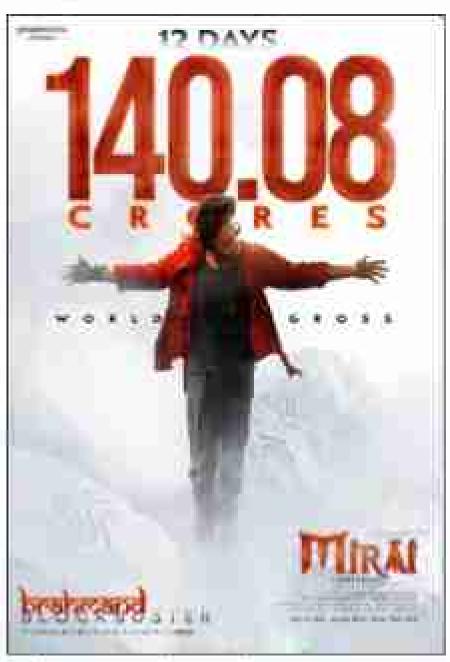

तेलुगु सिनेमा की नई सुपरहिट फिल्म मिराय ने बाक्स आफिस पर अपना जलवा बरकरार रखा है। रिलीज के महज 12 दिनों में यह फैंटेसी एक्शन फिल्म ब्रह्मांड ब्लाकबस्टर बन चुकी है। भारत में भी यह 100 करोड़ के क्लब में कदम रखने को तैयार है। निर्देशक कार्तिक गट्टामनेनी की यह फिल्म न केवल साउथ इंडिया में, बल्कि उत्तर भारत और विदेशों में भी धूम मचा रही है।

मिराय एक रोमांचक फैंटेसी एक्शन–एडवेंचर है। फिल्म में तेजा सज्जा के अलावा रितिका नायक, श्रिया सरन, जगपति बाबू और जयराम जैसे सितारे हैं। पीपल मीडिया फैक्टरी के बैनर तले बनी यह फिल्म 12 सितंबर 2025 को रिलीज हुई और तुरंत ही सुपरहिट साबित हो गई।

रिलीज के पहले हफ्ते में ही मिराय ने धांसू कमाई से दिग्गजों को भी हैरान कर दिया। दिन–ब–दिन की कमाई देखें तो फिल्म ने मजबूत पकड़ बनाई है। अब 12 दिनों में 140.08 करोड़ का वर्ल्डवाइड ग्रास कलेक्शन इसे ब्रह्मांड ब्लाकबस्टर बना चुका है।

भारत में नेट कलेक्शन 82 करोड़ के ऊपर है। हिंदी भाषा में इस फिल्म ने अब तक 15.8 करोड़, तेलुगु में 65.14 करोड़, तेलुगु में 83 लाख, कन्नड़ में 54 लाख और मलयालम में 24 लाख रुपये की कमाई की है। फिल्म का बजट 50–60 करोड़ बताया जा रहा है जो इसे सुपरहिट बनाता है।

त्योहारों के दौरान इन 5 लिपस्टिक शेड का करें चयन, दिखेंगी बेहद आकर्षक

त्योहारों का समय आ गया है और इस दौरान महिलाएं अपने मेकअप पर खास ध्यान देती हैं। लिपस्टिक शेड्स का चयन करना एक अहम कदम है, जो आपके पूरे लुक को बदल सकता है। इस लेख में हम आपको पांच ऐसे लिपस्टिक शेड के बारे में बताएंगे, जो त्योहारों के मौसम में आपको स्टाइलिश और आत्मविश्वास से भरपूर दिखाएंगे। इन शेड का चयन करके आप हर अवसर पर आकर्षक और खास दिख सकती हैं।

रेड लिपस्टिक

रेड लिपस्टिक हमेशा से ही महिलाओं के लिए एक पसंदीदा विकल्प रही है। यह न केवल आपके होंठों को चमकदार बनाती है, बल्कि आपके पूरे चेहरे को भी निखारती है। त्योहारों के समय में रेड लिपस्टिक पहनना एक बेहतरीन विचार हो सकता है क्योंकि यह आपको आत्मविश्वास से भरपूर दिखाएगी और आपके लुक को खास बनाएगी। चाहे आप साड़ी पहन रही हों या सलवार–कमीज, रेड लिपस्टिक हर परिधान के साथ जचेगी।

बेबी पिंक लिपस्टिक

बेबी पिंक लिपस्टिक हमेशा से ही एक प्यारा और नाजुक शेड होता है, जो हर त्वचा की स्टोन पर अच्छा लगता है। यह शेड न केवल आपके होंठों को मुलायम दिखाता है, बल्कि आपके चेहरे पर ताजगी भी लाता है। त्योहारों के समय में बेबी पिंक लिपस्टिक पहनना एक अच्छा विचार हो सकता है क्योंकि यह आपको साफ्ट और आकर्षक दिखाएगी। चाहे आप किसी पारंपरिक पोशाक में हों या आधुनिक लुक में बेबी पिंक लिपस्टिक हर अवसर पर सूट करेगी।

मैरून लिपस्टिक

मैरून लिपस्टिक एक गहरा और आकर्षक शेड होता है, जो आपके होंठों को एक खास लुक देता है। यह शेड खासकर शाम की पार्टियों या समारोहों के लिए बहुत ही उपयुक्त होता है। मैरून लिपस्टिक आपके लुक को खास बनाती है और आपको आत्मविश्वास से भरपूर दिखाती है। इस शेड का चयन करके आप हर अवसर पर आकर्षक और स्टाइलिश दिख सकती हैं। मैरून लिपस्टिक हर प्रकार की पोशाक के साथ जचेगी।

ब्राउन लिपस्टिक

ब्राउन लिपस्टिक एक प्राकृतिक और साफ्ट शेड होता है, जो आपके होंठों को एक मिट्टी जैसा लुक देता है। यह शेड रोजमर्रा के उपयोग के लिए बहुत ही उपयुक्त होता है और आपको प्राकृतिक रूप में सुंदर दिखाता है। ब्राउन शेड की लिपस्टिक आपके लुक को साधारण लेकिन आकर्षक बनाती है। इस शेड का चयन करके आप हर अवसर पर आत्मविश्वास से भरपूर दिख सकती हैं। ब्राउन शेड की लिपस्टिक हर प्रकार की पोशाक के साथ जचेगी।

फूशिया पिंक लिपस्टिक

फूशिया पिंक लिपस्टिक एक चमकीला और जीवंत शेड होता है, जो आपके होंठों को ऊर्जा से भर देता है। यह शेड खासकर बड़े समारोहों या पार्टियों के लिए बहुत ही उपयुक्त होता है। फूशिया पिंक लिपस्टिक आपके लुक को ताजगी भरा बनाती है और आपको आत्मविश्वास से भरपूर दिखाती है। इन सभी शेड्स में से आप अपनी पसंद और अवसर के अनुसार चुन सकती हैं, जिससे आपका त्योहारों का मौसम और भी खास बन जाएगा।

कार्यालय : नगर पंचायत- बढ़नी बाजार, जनपद-सिद्धार्थनगर

ई–प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना

नगर पंचायत बढ़नी बाजार, जनपद–सिद्धार्थनगर में वर्ष 2025–26 हेतु पं० दीनदयाल उपाध्याय नगर विकास योजना" के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से निम्नांकित निर्माण कार्य हेतु नगर पंचायत बढ़नी बाजार के लिए ठेकेदारों से आनलाइन ई–निविदा प्रतिशत दर पर आमन्त्रित की जाती है। निविदादाता एक या एक से अधिक कार्यों हेतु निविदा डाल सकता है। निविदा से सम्बन्धित समस्त जानकारी w.w.w.etender.up.nic.in पर तथा निविदा फार्म नगर पंचायत बढ़नी बाजार कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

A	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा प्रकाशित की तिथि	29/09/2025
B	वेबसाइट पर ऑनलाइन निविदा डाउनलोड की तिथि	29/09/2025 अपराह्न 02.00 बजे से
C	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा डालने की अन्तिम तिथि व समय	21/10/2025 अपराह्न 01.00 बजे तक।
D	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से तकनीकी निविदा खोलने की तिथि व समय	21/10/2025 अपराह्न 02.00 बजे
E	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से वित्तीय निविदा खोलने की तिथि व समय	21/10/2025 अपराह्न 04.00 बजे
F	ई–निविदा खोलने का स्थान	कार्यालय नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर

नोट:– नगर पंचायत बढ़नी बाजार द्वारा 15वां वित्त आयोग के अन्तर्गत हिन्दी दैनिक समाचार पत्र अमर उजाला व ख्वाजा एक्प्रेस में दिनांक 23/09/2025 को निविदा आमंत्रित हेतु प्रकाशन कराया गया था, जो दिनांक 14/10/2025 को खुलना था, परन्तु किसी तकनीकी कारणवश उक्त निविदा पोर्टल पर अपलोड नहीं किया जा सका। इसलिए उक्त निविदा दिनांक 29/09/2025 को पुनः आमंत्रित किया जाता है, जिसकी निविदा की अन्तिम तिथि 21/10/2025 को होगी व तकनीकी निविदा दिनांक 21/10/2025 समय 2:00 बजे और वित्तीय निविदा खोलने की तिथि दिनांक 21/10/2025 को 4:00 बजे नगर पंचायत बढ़नी बाजार कार्यालय पर खोला जाएगा।

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत बढ़नी बाजार
सिद्धार्थनगर

अध्यक्ष
नगर पंचायत बढ़नी बाजार
सिद्धार्थनगर

पत्रांक– 265/न0पं0ब0बा0/2025–26 । दिनांक 27/09/2025